भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

11 जून- 17 जून 2025

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा , संवत 2082   पृष्ठ : 8   जयपुर,   बुधवार   वर्ष-11, अंक-15,   मूल्य ₹ 5/-   वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

क्या सुना है आपने, आजकल शादी से पहले ही तलाक होने लगे हैं!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

विवाह होने का अर्थ है कि दो प्राणी एक स्त्री और एक पुरुष द्वारा साथ-साथ रहने का संकल्प लेना। विवाह के अनेक शब्द हैं जैसे परिणय-सूत्र बंधन, पाणिग्रहण संस्कार आदि-आदि। पाणिग्रहण संस्कार भी भारतीय सनातन संस्कृति के सोलह संस्कारों में से एक है। पहले माता-पिता, अन्य रिश्तेदार यहां तक कि नाई (खवास) भी लड़के-लड़कियों के रिश्ते तय कर दिया करते थे और वे रिश्ते आजीवन बड़े ही प्रेम और निर्विवाद रूप से चलते थे। कहीं कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता था। आपने कहीं भी शास्त्रों में या धार्मिक ग्रंथों में ये नहीं सुना या पढ़ा होगा कि फलां-फलां के बीच में विवाह विच्छेद हो गया है। मगर जबसे हमारी संस्कृति में दूसरी संस्कृतियों का घाल-मेल हुआ है तभी से तलाक और डायवोर्स होने लग गए हैं। धीरे-धीरे समाज इसे स्वीकारने भी लगा है। खैर, समय के साथ धीरे-धीरे सब बदलने लगे हैं। विवाह परम्पराएं लड़का देखने और लड़के-लड़कियों की सगाई से शुरू होती हैं। पहले परिजन देखते थे अब परिजनों का देखा हुआ रिश्ता स्वीकार्य ही नहीं रह गया है। अब तो परिजनों की स्वीकार्यता के बाद भी एक बात अधूरी सी रह जाती है और वह है कि एक बार लड़के-लड़कियों को मिलवा देते हैं। अगर दोनों की हां हो जाएगी तो रिश्ता पक्का कर लेंगे। यानि लड़के-लड़कियों की पसंद के बाद ही विवाह होगा। आजकल एक नया ही ट्रेंड चल गया है जिसका अंग्रेजी नाम है 'प्री-वेडिंग'। अब तो हिन्दी विवाह शब्द का नाम ही बदल गया। बहुत सारे लोग तो 'प्री-वेडिंग' का तात्पर्य ही नहीं समझते होंगे। मगर ये पैसे वालों का नया कार्यक्रम है। आपको अगर याद हो तो पिछले दिनों देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे की शादी हुई थी जिसमें बड़े स्तर पर 'प्री-वेडिंग' कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। जिसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में लड़के-लड़की आपस में मिलते हैं। कहां तक सही है यह तो नहीं पता, पर सुना है कि 'प्री-वेडिंग' में जिस कपल का विवाह तय हो जाता है वे परिजनों की सहमति से साथ रहकर एक-दूसरे को देखते हैं परखते हैं घूमते हैं एंज्वाय करते हैं। यह कार्यक्रम एक तरह से विवाह कार्यक्रम ही होता है मगर इसका नाम है 'प्री-वेडिंग'। 'प्री-वेडिंग' के बाद दोनों में खूब मोबाइल चैट और प्रेम-प्यार की बातें, लंबी-लंबी प्लानिंग होने लगती है। मगर पता ही नहीं चलता कि इस 'प्री-वेडिंग' कार्यक्रम के कुछ समय बाद ही ऐसा क्या हो जाता है कि जिस कपल का विवाह तय हो जाता है उनमें समझ नहीं बनती है और विवाह के पूर्व ही दोनों में 'तलाक' हो जाता है।

shivdayalmishra@gmail.com

मोदी सरकार के 11 साल की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेसवार्ता

योजनाएं गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को समर्पित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि हमारा देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का सपना है कि भारत पुनः विश्व गुरु बने, जैसा कि वह प्राचीन काल में था। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक और तकनीकी प्रगति की, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को पुनः स्थापित किया है। आत्मनिर्भर भारत का उनका नारा केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणा है। विकसित भारत की यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और अधिक मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया। इसलिए उन्होंने GYAN यानि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर ध्यान केंद्रीत किया। पीएम मोदी ने कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित किया, 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल कनेक्शन प्रदान किए, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण किया गया, माताओं-बहनों के लिए 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराकर उन्हें सम्मान से जीवन जीने का हक प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के साथ ही पहली बार केंद्र सरकार में 60 प्रतिशत मंत्री एससी, एसटी या ओबीसी वर्ग से शामिल किए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जारी किए आदेश

RPSC के नए चेयरमैन होंगे DGP यू आर साहू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पर यू आर साहू को नियुक्त किया है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर दिए है। गौरतलब है कि यू आर साहू प्रदेश के पुलिस महकमे में डीजीपी के पद पर सेवाएं दे रहे है। माना जाता है कि साहू प्रशासनिक अनुभवी और सख्त निर्णय लेने का मादा रखते है। ऐसे में सरकार उनका फायदा आरपीएससी के चैयरमेन के तौर पर उठाएगी। भजनलाल सरकार ने पिछले साल सीनियर आईपीएस ऑफिसर उत्कल रंजन साहू को राजस्थान पुलिस के नए मुखिया यानी पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई थी। यूआर साहू वर्ष 1988 बैच के आईपीएस हैं। राजस्थान पुलिस में सबसे सीनियर आईपीएस हैं। वे ओडिशा के रहने वाले हैं। दिसंबर 2020 में उनका प्रमोशन डीजी रैंक पर हुआ था।

गहलोत ने साधा था निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'चुनाव से पूर्व युवाओं को गुमराह करने एवं हमारे ऊपर झूठे आरोप लगाकर भ्रम फैलाने के लिए RPSC में सकारात्मक परिवर्तन कर परीक्षा एवं भर्ती प्रि या को तेज करने का वादा किया था। दुर्भाग्यपूर्ण ये है कि भाजपा सरकार 10 महीने में RPSC का नया चेयरमैन तक नियुक्त नहीं कर सकी है और न ही सदस्यों के रिक्त पदों को भर सकी है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

राजस्थान आरएएस मेंस परीक्षा का शेड्यूल जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मेंस) परीक्षा 2024 का शेड्यूल जारी कर दिया है। जिन उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा पास की है, वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in से डिटेल नोटिस डाउनलोड कर सकते हैं। जारी शेड्यूल के मुताबिक, RPSC RAS Mains E&am का आयोजन 17 और 18 जून 2025 को दो शिफ्टों में किया जाएगा। पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्र पर प्रवेश परीक्षा शुरू होने से 60 मिनट पहले तक ही मान्य होगा।

सौम्या गुर्जर बनी राजस्थान की योग ब्रांड एंबेसेडर

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी जयपुर के नगर निगम ग्रेटर की महापौर डा सौम्या गुर्जर को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए राजस्थान का ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त किया गया है। राज्य के आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग ने इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी किए। आदेश के अनुसार 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं जन-जन को योग के प्रति जागरूक करने एवं योग कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने के उद्देश्य से डा सौम्या गुर्जर को राजस्थान का ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त किया गया है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने के अधिकारियों को दिये स्पष्ट निर्देश, आगामी मानसून सीजन के दौरान हादसे होने पर व्यक्तिशः जिम्मेदारी होगी तय

मानसूनः तैयारियों में कोई लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त-सोनी

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में हुई मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा

बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आगामी मानसून पूर्व तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगा, बारिश, बारिश जनित परिस्थितियों के चलते किसी भी प्रकार का हादसा होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के खिलाफ व्यक्तिशः जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जिले में बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों की मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम जयपुर ग्रेटर आयुक्त रुक्मणी रियार एवं नगर निगम जयपुर हैरिटेज आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने मानसून को लेकर नगर निगम की तैयारियों एवं इंतजामों की जानकारी दी।जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम जयपुर ग्रेटर एवं जयपुर हैरिटेज के अधिकारियों को सिवरेज एवं नालों की गुणवत्तापूर्ण सफाई का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने, सफाई के बाद सड़क पर जमा कीचड़ एवं गंदगी का उठाव करवाने, खुले सिवरेज के खुले चैंबर्स और मेनहोल पर ढक्कन लगावाने एवं नालों पर फैरो कवर लगवाने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना के साथ-साथ मिट्टी के कट्टों, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों, जेसीबी, पोकलेन, मडपंप, सहित मानव संसाधन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी बांधों पर सहज दृश्य एवं बड़े अक्षरों में अंकित चेतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी छोटे बड़े तालाबों पर चेतावनी बोर्ड लगावाने के निर्देश दिये। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को रपट क्षेत्र एवं लो-लाइन एरिया की टूट, रेलिंग एवं जंजीर को दुरुस्त करवाने, बांधों की आवश्यकता अनुसार मरम्मत करवाने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिवृष्टि होने पर भूमि कटाव और जलभराव से निपटने एवं रेस्क्यू ऑपरेशन्स के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता रखी जाए। बैठक में जिला कलक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ढीले तारों को कसने, झुके हुए बिजली के पोलों को सीधा करने, खुले फीडरों बंद करने, खुले तारों को दुरुस्त करने एवं लो-लाइन पैनल बॉक्स एवं ट्रांसफार्मर को ऊंचाई पर लगवाने एवं मानसून सीजन के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पाइप लाइन की लीकेज दुरुस्त करने, आवश्यकता होने पर टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने यहां बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर ले एवं उन पर पूरी जानकारी रखने वाले अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, रसद विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, वन विभाग, नगर निगम, जेडीए, जयपुर मैट्रो, गृह सुरक्षा, शिक्षा, पशुपालन सहित अन्य कई विभागों के अधिकारियों को भी मानसून के दौरान विभागीय स्तर पर अपेक्षित समस्त इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश प्रदान किए।

बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) संतोष कुमार मीणा, नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक अमित कुमार शर्मा सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

निर्जला एकादशी पर रक्तदान शिविर आयोजित

जरूरतमंदों के काम आएगा एकत्र रक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जेकेजे ज्वैलर्स अंबाबाड़ी के सान्निध्य में श्याम दीवाने ग्रुप ने निर्जला एकादशी के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें कृष्ण कृपा डेंटल क्लिनिक एवं अपार आयुर्वेद संस्थान ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ जो जरुरतमंद लोगों को जीवन रक्षा में काम आएगा।

रक्तदान शिविर में राकेश अग्रवाल अध्यक्ष भाजपा विद्याधर नगर मंडल, अनिल मौसूण डायरेक्टर जेकेजे ज्वैलर्स, सुभाष गोयल सदस्य व्यापार कल्याण बोर्ड भारत सरकार, राजू मीणा अध्यक्ष युवामोर्चा विद्याधर नगर मंडल, राधेश्याम गुप्ता, सुमन गुप्ता राजवंशी पार्षद वार्ड नं 8 जयपुर नगर निगम ग्रेटर, अनीता गुप्ता संस्कृति सोशल क्लब, श्रवण नाटिया उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा, श्याम लता शर्मा, स्वीटी अग्रवाल, वीरेंद्र कुमार शर्मा, अर्चना गुप्ता मुकेश खंडेलवाल जनसेवक, हरफूल कुमावत, एडवोकेट एम. पी. जी शर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और आयोजन में सहयोग किया।

प्रेस क्लब समर कैम्प में शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने किया अवलोकन

मोबाईल की दुनिया से बाहर निकल गतिविधियों में हिस्सा लें बच्चे

कहा कैम्प से हो रहा बौद्धिक विकास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब में बाल अभिरूचि शिविर का दसवे दिन भी रोचक गतिविधियों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने बच्चों से मिलकर खुशी जाहिर की। साथ ही बच्चों को मोबाईल में ज्यादा समय बिताने की जगह ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से मनोरंजन के साथ बच्चों का बौद्धिक विकास होता है जो समय की आवश्यकता है। यहां मंच से उन्होंने बच्चों के साथ अपने बचपन के किस्से बयां किए तो वहीं बच्चों ने शिक्षामंत्री से कई सवाल जवाब भी किए। बच्चों ने पहलगांव हमले, ऑपरेशन सिन्दुर सहित अनेक मुद्दों पर सवाल किए। उन्होंने बताया कि जल, थल पर के मामालों में देश में निर्मित आधुनिक हथियारों से दुश्मन देश को मुहतोड़ जबाब देकर ऑपरेशन सिन्दुर को सफल बनाया गया है।

कार्यक्रम में पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बच्चों के शिविर की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि शिविर को बच्चों की रुचि को देखते हुए 13 जून तक बढ़ाया गया है। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा, क्लब महासचिव मुकेश चौधरी एवं शिविर संयोजक अनिता शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. मोनिका शर्मा एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी ओमवीर भार्गव,विकास आर्य, उमंग माथुर, दीपक सैनी ने मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विशिष्ठ अतिथि डेयरी जनसम्पर्क अधिकारी विनोद गेरा, अनिल गौड को स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया।

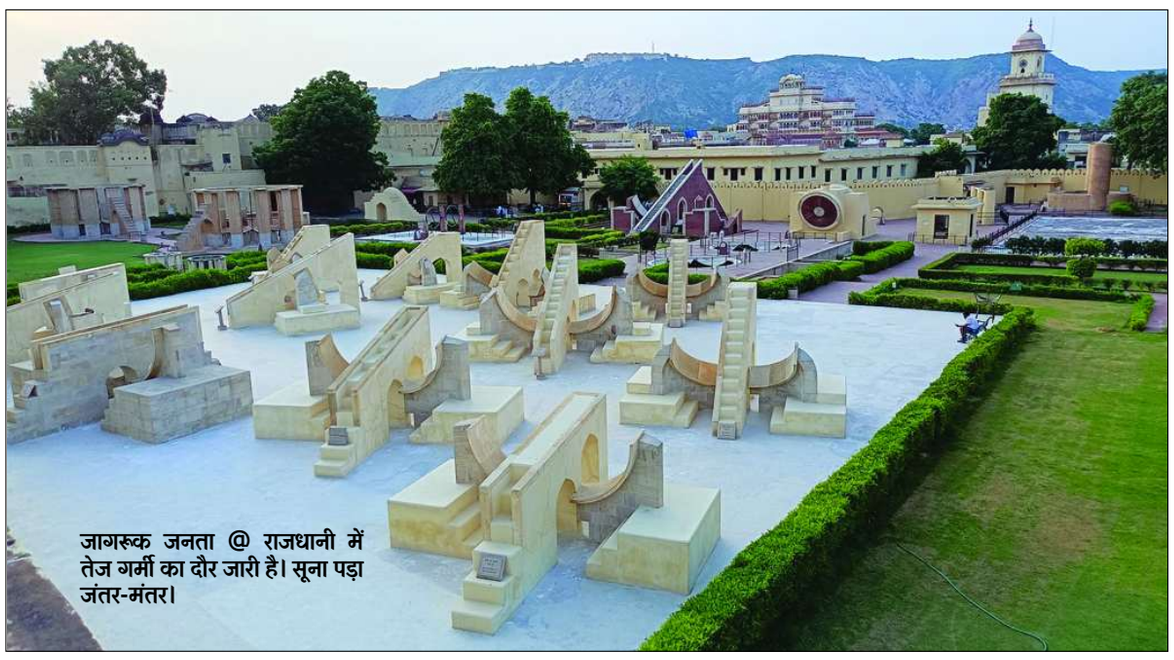

जागरूक जनता @ राजधानी में तेज गर्मी का दौर जारी है। सूना पड़ा जंतर-मंतर।

मसालों के उत्पादन और निर्यात पर स्पाईस-डे पर चर्चा

मसालों को जी.आई. टैग अत्यंत आवश्यक-अग्रवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्पाईस एण्ड हर्ब्स डे के उपलक्ष्य में कृषि विपणन विभाग द्वारा कृषि पंत भवन में मसालों के उत्पादन और निर्यात पर मसाला उद्योग से जुड़े विषय के जानकारों तथा मसाला निर्यात कर रहे उद्योगपतियों के साथ चर्चा की गयी। मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए निदेशक, कृषि विपणन राजेश चौहान ने सभी स्टेक हॉल्डर्स का आह्वान किया कि राज्य के मसाला उत्पादन और निर्यात को बढ़ाने के लिए उपायों पर प्रकाश डालें। इस अवसर पर श्यामधनी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष तथा बीयूवीएम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रामावतार अग्रवाल ने राजस्थान के मसाला उत्पादन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि "राजस्थान मुख्यतः जीरा, धनिया, सौंफ, दाना मेथी, पान मेथी जैसे मसालों का प्रमुख उत्पादक राज्य है। इन मसालों का स्वाद एवं गुणवत्ता विश्व स्तर पर सराहनीय है। ऐसे मसालों को जी.आई. टैग मिलना अत्यंत आवश्यक है जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके।" डॉ. अग्रवाल ने यह भी मांग रखी कि राजस्थान में उच्च गुणवत्ता वाले आई.पी.एम. (इन्टीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेन्ट) आधारित मसाला उत्पादों को सरकार की ओर से विशेष सहयोग मिलना चाहिये, ताकि किसान जैविक एवं सुरक्षित उत्पादन की ओर प्रेरित हो सके। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ मसालों का निर्यात बढ़ाने के लिए अन्तर्देशीय व्यापारी एक्सचेन्ज नीति पर काम कर रहा है।

प्रदेश की धरती अभी और तपेगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/ नई दिल्ली। देशभर में गर्मी की तपन से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वही दूसरी ओर IMD की ताजा जानकारी के मुताबिक कुछ राज्यों को राहत मिलने की उम्मीद है। IMD ने दक्षिण और पश्चिम भारत के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, वहीं अभी प्रदेश में गर्म लू और तेज धूप का सामना करना पड़ेगा।

माध्यम से भारी बारिस की चेतावनी

अगले सात दिनों तक केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। 10-14 जून के बीच इन क्षेत्रों में गरज, बिजली और 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विशेष रूप से, 12-16 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में बहुत भारी वर्षा, जबकि 14-16 जून को केरल, माहे और तटीय कर्नाटक में अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी है।

पश्चिम में भारी बारिश

कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 10-11 जून को हल्की/मध्यम वर्षा के साथ आंधी और 30-50 किमी/घंटा की तेज हवाएं संभावित हैं। 12-14 जून के दौरान हवा की गति 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। 12-16 जून को कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में बहुत भारी वर्षा और 13-14 जून को कोंकण व गोवा में अत्यधिक भारी वर्षा की आशंका है।

पूर्व में बारिश के आसार

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अंडमान-निकोबार, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, बिहार, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अगले सात दिनों तक हल्की/मध्यम वर्षा और आंधी की संभावना है। 12 जून को अंडमान-निकोबार और 13-16 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में भारी वर्षा हो सकती है।

उत्तर पश्चिम भारत में मौसम का हाल

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी राजस्थान में 10-25 जून के बीच छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा, आंधी और 40-50 किमी/घंटा की तेज हवाएं चलने की संभावना है।

राजस्थान में इस मानसून में होगी जबरदस्त बारिश!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। बीते 48 घंटों में श्रीगंगानगर देश में सबसे अधिक गर्म रहा। ऐसे में सभी को गर्मी से राहत के लिए मानसून का इंतजार है। इसी बीच एक अच्छी खबर है। खरीफ फसल जुताई के दौरान कांसेल में खेत में टिटहरी ने 4 अंडे दिए।

बारिश के लिहाज से शुभ संकेत

जानकारी के अनुसार ओमपुरी गोस्वामी के खेत में टिटहरी ने चार अंडे दिए। जिनके मुंह जमीन पर नीचे की साइड में पड़े दिखाई दिए। लोक मान्यता के अनुसार टिटहरी का अंडे देना बारिश के लिहाज से शुभ संकेत माना जाता है।

मानसून से पूर्व अंडे देती है टिटहरी

ग्रामीण मानते हैं कि टिटहरी जितने अंडे देती है उतने ही माह बारिश होती है। समाजसेवी कैलाशचंद चौधरी, रामगोपाल स्वामी, जितेंद्र खारोल, तनु स्वामी ने बताया कि टिटहरी ही एक ऐसा पक्षी होता है जो गर्मी के दिनों में मानसून से पूर्व अंडे देती है।

अंडों की नोक जमीन की ओर हो तो क्या संकेत है: टिटहरी के चार अंडे देने और मुंह नीचे होने का लोकमान्यता के अनुसार संकेत है कि चार महीने तक अच्छी बारिश होने होगी। ग्रामीण मानते हैं कि टिटहरी जितने अंडे देती है। उतने ही महीने बारिश होती है। साथ ही जितने अंडों की नोक जमीन की ओर होती है। उतने ही महीने बारिश होने की किवदंती है।

'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान से गांव होंगे सशक्त

प्रकृति के संरक्षण से ही हम संरक्षित-मुख्यमंत्री

आमजन के सहयोग से अभियान बन रहा जन आंदोलन

देवाता फीडर की लाइनिंग और कवरिंग का किया शिलान्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के माध्यम से प्रदेश के गांव मजबूत होंगे जिससे विकसित राजस्थान का संकल्प पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आमजन अपने साधन और संकल्प के साथ इस अभियान से जुड़ रहे हैं और प्रदेश की धरा को जल स्रोतों से परिपूर्ण एवं हरी-भरी बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। शर्मा ब्यावर के जवाजा में 'वंदे गंगा' जलसंरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर राज्य सरकार ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत की है। 20 जून तक संचालित होने वाले अभियान में जल स्त्रोतों, नदियों, जलधाराओं, तालाबों पर जलपूजन, कलश यात्रा, जन जागरूकता, स्वच्छता अभियान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को जल और पर्यावरण संरक्षण की परंपराओं और संस्कृति से जोड़ा जा रहा है।

जल प्रबंधन ढांचा हो रहा मजबूत

उन्होंने कहा कि यह अभियान जल प्रबंधन ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, जलाशयों का पुनरुद्धार, बांध, एनीकट, नहरों की मरम्मत, वर्षा-जल संचयन संरचनाओं और पर्यावरण संवर्धन से जुड़े कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 30 करोड़ रुपये की लागत से देवाता फीडर की लाइनिंग और कवरिंग का शिलान्यास किया।

जल संरक्षण हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल ही जीवन है और जल का कोई विकल्प नहीं है। हम सदियों से पानी को सहजते और पूजते आ रहे हैं। हमारी संस्कृति में पेड़, नदी, पहाड़ों को पूजा जाता है क्योंकि प्रकृति हमारा संरक्षण करती है। हमारे पूर्वजों ने भी सैकड़ों साल पहले पानी के महत्व को समझा और तालाब, झील, बावड़ी, टांका, खड़ीन, झालरा जैसे जल संग्रहण के ढांचों का निर्माण किया। शर्मा ने आह्वान किया कि आमजन जल संरचनाओं में पानी का संरक्षण करें और व्यर्थ में पानी न बहाए।

किसान और उद्योगों को पर्याप्त जलापूर्ति के लिए संकल्पित

शर्मा ने कहा कि प्रदेश के विकास में पानी की उपलब्धता बेहद अहम है। जब किसानों और उद्योगों को भरपूर पानी मिलेगा तभी प्रदेश खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने की दृष्टि से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना) पर कार्य शुरू किया है जिससे प्रदेश के 17 जिलों के लोगों को पेयजल मिलेगा। हमने यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध सहित विभिन्न परियोजनाओं का भी काम हाथ में लिया है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री ने चलाई मुहिम

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' का अभियान चलाया है। उनकी इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने पहली बार ग्रीन बजट पेश किया और प्रदेशभर में 'हरियालो राजस्थान' संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के पानी को बचाने के लिए प्रधानमंत्री के 'कैच द रेन' अभियान से प्रेरणा लेकर 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान भी शुरू किया है। इसके तहत राज्य में 40 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया किया जा रहा है जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा।

महिला, युवा, किसान, मजदूर के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार महिला, युवा, किसान और मजदूर के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। महिलाओं के लिए विभिन्न योजना संचालित करने के साथ ही राज्य सरकार ने युवाओं को 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी हैं। वहीं 1 लाख 84 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को वर्ष 2027 तक दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

ब्यावर के सर्वांगीण विकास के लिए किए विभिन्न कार्य

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ब्यावर जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 50 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर उपखंड में भोमादा बांध के माध्यम से 12 गांवों के पेयजल की परियोजना शीघ्र शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि ब्यावर में अमृत 2.0 के तहत 6 बड़ी टंकियों के माध्यम से पेयजल सुदृढ़ीकरण का काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जवाजा तालाब की पाल पर जलाभिषेक-पूजा अर्चना की। साथ ही, उन्होंने परिसर में सिंदूर के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर लोकगीत गाते हुए मुख्यमंत्री का स्वागत किया। जनसभा के बाद मुख्यमंत्री ने जवाजा तालाब की पाल पर ही डैम का निरीक्षण भी किया और वर्षों पुराने बरगद के पेड़ों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक शंकर सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह कानावत, शोभा चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने जल जीवन मिशन सहित केन्द्र प्रवर्तित समस्त योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

प्रत्येक घर को नल के जल से जोड़ने में अधिकारी दिखाए गंभीरता-मेघवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री तथा बीकानेर सांसद अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर कलक्ट्रेट में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कर केन्द्र प्रवर्तित 39 अति महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। मेघवाल ने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजना है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाती है। इसमें किसी स्तर पर गड़बड़ी नहीं हो, कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने मिशन के तहत संचालित 170 लघु तथा 5 वृहद पेयजल योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर को नल के जल से जोड़ने में अधिकारी पूर्ण गंभीरता और जिम्मेदारी से कार्य करें। इसमें धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि विद्युत निगम द्वारा आरडीएसएस के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। मरूस्थलीय क्षेत्रों में आंधी-तूफान के कारण विद्युत पोल को नुकसान हो तो इसे अविलम्ब दुरूस्त करने के लिए अतिरिक्त टीमें लगाएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम सूर्यघर योजना को प्रोत्साहन देने व प्रसार–प्रसार के लिए जागरुकता शिविर लगाने के निर्देश दिए।

तीन अतिरिक्त जिला कलक्टर को बनाया गया आपदा प्रबंधन हेतु समग्र प्रभारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आगामी मानसून के मध्यनजर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने एक आदेश जारी कर जयपुर शहर उत्तर, दक्षिण, पूर्व क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर-उत्तर, दक्षिण एवं पूर्व जयपुर को आपदा प्रबंधन हेतु समग्र प्रभारी नियुक्त किया है। नियुक्त अधिकारी वर्षा काल के दौरान अत्यन्त आवश्यक होने पर ही रोड कट की अनुमति अपने-अपने क्षेत्र मे जारी करना सुनिश्चित करेगें। साथ ही, रोड कट की अनुमति की प्रति संबंधित पुलिस थाने को भी भिजवाया जाना सुनिश्चित करें, ताकि रोड कट के पश्चात पुनः भरा गया या नहीं, सुनिश्चित हो सके तथा किसी प्रकार का आवागमन बाधित न होवें। साथ ही मानसून के दौरान अपने-अपने स्तर पर नगर निगम हेरिटेज एवं ग्रेटर, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, मेट्रो, बीआरटीएस तथा जलदाय विभाग, के अधिकारियों से समन्वय रखते हुए समुचित सतर्कता एवं पर्यवेक्षण रखते हुए मौके पर आवश्यक कार्यवाही त्वरित एवं समयबद्ध रूप से किया जाना सुनिश्चित करेगें। साथ ही समय-समय कृत कार्यवाही से अद्योहस्ताक्षरकर्ता को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया प्रधानमंत्री और केन्द्रीय विद्युत मंत्री का आभार

राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान को केन्द्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहरलाल का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह आवंटन राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वीजीएफ के अंतर्गत यह सहायता भारत सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से दी जाएगी। राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन के फलस्वरूप राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे ग्रिड स्थिरता में भी सुधार होगा और गैर-सौर घंटों एवं पीक लोड के दौरान बिजली की निर्बाध व सुलभ आपूर्ति में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए संकल्पबद्ध है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत कर बीईएसएस प्रणाली का विकास करने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को पत्र लिखकर और व्यक्तिशः मुलाकात कर राजस्थान को अतिरिक्त बीईएसएस क्षमता आवंटित करने का आग्रह किया था। साथ ही, नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भी उन्होंने यह मांग प्रमुखता से उठाई थी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने देशभर में 30 गीगावाट आवर की बीईएसएस क्षमता के विकास के लिए वीजीएफ के तहत सहायता देने का निर्णय लिया है, जिसमें से 25 गीगावाट आवर की क्षमता 15 राज्यों को और 5 गीगावाट आवर की क्षमता एनटीपीसी को आवंटित की गई है।

जमींदार पार्टी के सैकड़ों समर्थकों ने थामा भाजपा का दामन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय, जयपुर में एक महत्वपूर्ण आयोजन के दौरान जमींदार पार्टी के संस्थापक सदस्य युवा किसान नेता भीम सिंह कासनिया एवं नृत्यम संस्था की निदेशक काजल सैनी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मीडिया सयोजक प्रमोद वशिष्ठ सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। भीम सिंह कासनिया ने इस अवसर पर कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों, विकासशील सोच और भाजपा की विचारधारा से प्रेरित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन- जन तक पहुँचाने एवं संगठन को मज़बूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर उनके साथ प्रमुख कार्यकर्त्ता महेंद्र बूरिया- श्रीगंगानगर, गुरप्रीत सिंह भुल्लर सादुलशहर, संजय योगी कोटपुतली, सुमित कासनिया श्रीगंगानगर, हर्षवर्धन अग्रवाल जयपुर, सुरेंद्र शीला रायसिंहनगर, दलविंदर सिंह श्रीगंगानगर उपस्थित रहे।

खुसरो मियां दरगाह के मौलाना जियाउद्दीन ने सैकड़ो कार्यकत्ताओं के साथ थामा भाजपा का दामन

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय, जयपुर में खुसरो मियां दरगाह जयपुर के प्रमुख मौलाना जियाउद्दीन चार दरवाजा जयपुर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सदस्यता ग्रहण कराई । उनके साथी अहमद जमाल खान के प्रयासों से कई कार्यकर्ता भी पार्टी में शामिल हुए, जिनमें शामिल हैं-मोहम्मद अयाज नूरी, मोहम्मद आदिल नूरी, अब्दुल अजीम नूरी, मोहम्मद शादाब नूरी, मौलाना इकबाल नूरी, मोहम्मद हसीब खान नूरी, मोहम्मद साहिल नूरी, मोहम्मद सोहेल, हमीद शाकीरा बरकानी, हाफिज इमरान नूरी, मोहम्मद हसीन नूरी, मौलाना जुल्फिकार, फैजान अशरफ रेहान, और सोहेल।

सम्पादकीय

बदलेगी सियासत

जाति जनगणना की तारीखों का ऐलान कर सरकार ने यह संदेह दूर कर दिया कि वह इस मुद्दे को लटकाए रखना चाहती है। तय शेड्यूल के अनुसार, 1 मार्च 2027 की आधी रात को जनगणना खत्म होगी। अब अगला सवाल है कि इसके आंकड़े कितनी जल्दी सार्वजनिक होते हैं। वजह यह है कि लोकसभा परिसीमन और महिला आरक्षण का मामला भी इसी से जुड़ा हुआ है। सरकार ने 2011 की सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना में भी जाति के आंकड़े जुटाने की कोशिश की थी, लेकिन तब उसमें इतनी विसंगतियां पाई गईं कि रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं, पिछले डेढ़ दशक में सामाजिक और राजनीतिक रूप से जातिगत जनगणना का दबाव बढ़ा है। हाल में बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों ने इस दिशा में अपनी तरफ से कोशिश भी की, जो विवादों में घिर गई। केंद्र सरकार को इस तरह के विवादों और पिछली गलतियों से बचना होगा। आजाद भारत में जातियों पर राजनीति हुई, लेकिन उनका हिसाब नहीं रखा गया। ऐसे में यह जातिगत जनगणना पूरे परिदृश्य को बदल कर रख देगी। इसका पहला असर होगा लोकसभा सीटों की संख्या पर, जिस पर कोई फैसला 5 दशकों से टलता आ रहा है। देश की बढ़ती आबादी को अब संसद में अपने ज्यादा प्रतिनिधि चाहिए, लेकिन उत्तर और दक्षिण के बीच जनसंख्या का अंतर बड़ी रुकावट है। दक्षिण के राज्यों ने अपनी आबादी पर उत्तर की तुलना में नियंत्रण किया हुआ है। उन्हें डर है कि परिसीमन से उनके यहां सीटें कम हो सकती हैं। 1976 में इंदिरा गांधी और 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों ने परिसीमन कराया था, लेकिन सीटों की संख्या नहीं बढ़ाई। इंदिरा सरकार ने 25 साल के लिए सीटें बढ़ाने पर रोक लगा दी थी। वाजपेयी सरकार ने भी इसे बरकरार रखा। 2026 में यह मियाद खत्म हो रही है यानी अब जो जनगणना होने जा रही है, उसी के आधार पर सरकार को परिसीमन से जुड़ा अहम फैसला लेना होगा। जाति जनगणना के साथ जुड़ा एक और अहम सवाल आरक्षण का है। नए आंकड़ों के आधार पर आरक्षण में बदलाव की मांग उठेगी, लेकिन किसी भी तरह के बदलाव के रास्ते में जटिल राजनीतिक और कानूनी पेचीदगियां हैं। इन्हें सुलझाए बिना सरकार के लिए आगे बढ़ना मुश्किल होगा। जाति जनगणना से नए भारत के सामाजिक-आर्थिक समीकरणों को समझने में मदद मिलेगी, साथ में कुछ चुनौतियां भी होंगी। जनगणना के आंकड़े 2029 के पहले जारी हो पाते हैं या नहीं, यह सवाल अपनी जगह है, लेकिन इतना तय है कि इसका असर अगले लोकसभा चुनाव पर जरूर पड़ेगा।

जाति जनगणना की तारीखों के ऐलान से आरक्षण और परिसीमन पर असर होगा। सरकार ने संदेह दूर कर दिया है कि वह इस मुद्दे को लटकाए रखना चाहती है। लोकसभा सीटों की संख्या पर भी फैसला होगा। नए आंकड़ों के आधार पर आरक्षण में बदलाव की मांग उठेगी।

प्लास्टिक प्रदूषण एक ऐसी समस्या है जिसे केवल सरकार या किसी एक संस्था के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है जिसमें हमें व्यक्तिगत स्तर पर बदलाव लाने होंगे। जब तक हम प्लास्टिक के विकल्प अपनाकर अपने व्यवहार में बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक हालात में सुधार नजर नहीं आएगा।

महंगी पड़ेगी प्लास्टिक कचरे की अनदेखी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

प्लास्टिक प्रदूषण आज दुनिया के सामने खड़ी सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है। इसकी वजह से न केवल धरती और जल संसाधन प्रदूषित हो रहे हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, वन्यजीव और समुद्री जीवन भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

अभी पिछले हफ्ते ही हमने विश्व पर्यावरण दिवस पर पारंपरिक रस्मों की तर्ज पर प्रदूषण को दूर करने की कसमें खाई हैं। देशभर में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों ने पर्यावरण को बचाने से जुड़ी अपनी चिंताएं साझा की और इस दिशा में कदम उठाने के अपने संकल्प दोहराए। लेकिन इन तमाम आयोजनों के शोर में यह तथ्य अनदेखा कर दिए गए कि हमारे देश में हर साल लगभग 35 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। एक अनुमान के अनुसार, देश में प्रति व्यक्ति सालाना प्लास्टिक की खपत लगभग 11 किलोग्राम है। देश में उत्पादित कुल प्लास्टिक कचरे का केवल 60 फीसदी ही रीसाइकल किया जाता है, जबकि शेष 40 प्रतिशत कचरा खुले में फेंका जाता है या जलाया जाता है। ज्यादातर लोग आज भी सिंगल यूज़ प्लास्टिक जैसे प्लास्टिक बैग, बोतलें, पैकेजिंग, स्ट्रॉ आदि का सबसे अधिक उपयोग करते हैं और यही प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत हैं। हालांकि प्लास्टिक एक महत्वपूर्ण सामग्री है, लेकिन प्लास्टिक अपशिष्ट का उचित रूप से निपटान न होना ही दरअसल प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को जन्म दे रहा है।

पर्यावरण दिवस के मौके पर ही सरकार ने 'नेशनल प्लास्टिक वेस्ट रिपोर्टिंग पोर्टल' भी लॉन्च किया, जो बहु-चरणीय फिजीकल रिपोर्टिंग से हटकर ऑनलाइन रिपोर्टिंग की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह पोर्टल पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करते हुए कचरा बीनने वालों से लेकर कचरे को प्रोसेसिंग और निपटान तक के पूरे प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकोसिस्टम को कवर करता है। इसके जरिये बेहतर नियोजन और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए देश भर के सभी शहरी स्थानीय निकायों और जिला पंचायतों के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित डेटा उपलब्ध हो जाएगा।

योजनाबद्ध पहलों की श्रृंखला के साथ राष्ट्रीय प्लास्टिक प्रदूषण न्यूनीकरण अभियान भी शुरू किया गया है। इस अभियान में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत बाघ अभयारण्यों तथा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने की गतिविधियाँ शामिल हैं। अभियान के दौरान सरकारी कार्यालयों में उपयोग में

न आने वाले एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एकल उपयोग प्लास्टिक के लिए पर्यावरण-विकल्पों पर एक हैकथॉन तथा प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने की थीम पर कविता लेखन, नारा लेखन और नुक्कड़ नाटक जैसी रचनात्मक प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को शामिल करना अभियान का हिस्सा है।

स्पष्ट है कि प्लास्टिक प्रदूषण आज दुनिया के सामने खड़ी सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है। इसकी वजह से न केवल धरती और जल संसाधन प्रदूषित हो रहे हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, वन्यजीव और समुद्री जीवन भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। प्लास्टिक का अत्यधिक और असंवेदनशील उपयोग आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसके परिणाम भविष्य के लिए विनाशकारी साबित हो सकते हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं, प्लास्टिक एक कृत्रिम रसायन पदार्थ है जिसे पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस या कोयले से बनाया जाता है। यह हल्का, सस्ता, टिकाऊ और लचीला होने के कारण पैकेजिंग, निर्माण, चिकित्सा, कृषि और घरेलू उपयोग में बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। लेकिन प्लास्टिक की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह 100 से 500 सालों तक नष्ट नहीं होता, यानी यह वर्षों तक पर्यावरण में बना रहता है।

प्लास्टिक न जल में घुलता है और न मिट्टी में, जिससे यह जमीन की उर्वरता को नुकसान पहुंचाता है। इससे जल निकासी तंत्र अवरुद्ध हो जाता है जिससे बाढ़ जैसी समस्याएँ होती हैं। प्लास्टिक जलाने से निकलने वाली जहरीली गैसें सांस, त्वचा और हृदय संबंधी बीमारियाँ पैदा करती हैं। माइक्रोप्लास्टिक कण हमारे पीने के पानी और भोजन के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। इससे समुद्री जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। समुद्री जीव जैसे मछलियाँ, कछुए और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है।

आज हालात यह हैं कि शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का अंबार लगा हुआ है। महानगरों में कूड़ा प्रबंधन की कमी के कारण प्लास्टिक सड़कों, नालों और नदियों में जमा हो जाता है। और अब ग्रामीण इलाकों में भी समस्या फैल रही है, क्योंकि प्लास्टिक पैकिंग वाले उत्पाद अब गाँवों में भी व्यापक रूप से बिकते हैं, परंतु वहाँ कचरा निपटान की व्यवस्था नहीं है। साथ ही देश के तटीय क्षेत्रों में भी समुद्र में बहकर जाने वाला प्लास्टिक समुद्री जीवन के लिए खतरा बन चुका है। 1 जुलाई 2022 से केंद्र सरकार ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक के 19 प्रमुख उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया है जैसे प्लास्टिक के चम्मच, प्लेट, कटलरी, स्ट्रॉ, स्टिरर आदि। कई राज्यों (जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आदि) ने अपने स्तर पर भी प्लास्टिक बैग्स पर बैन लगाया है। प्लास्टिक उत्पादक कंपनियों को उनके द्वारा उत्पादित प्लास्टिक का कचरा संग्रह, रीसायक्लिंग या वैज्ञानिक तरीके से निपटाने की ज़िम्मेदारी दी गई है। स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत भी प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन को प्राथमिकता दी गई है। कई नगर निगमों ने प्लास्टिक मुक्त शहर बनने की दिशा में प्रयास किए हैं। देश के कई हिस्सों में निजी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्लास्टिक को इकट्ठा कर उसे रिसाइकल करने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। प्लास्टिक प्रतिबंध का पालन कई जगहों पर सही ढंग से नहीं हो रहा है। जागरूकता की कमी और वैकल्पिक सामग्रियों की महंगी लागत के कारण लोग प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाने में हिचकिचाते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में कचरा संग्रह और रीसाइक्लिंग का बुनियादी ढांचा अभी भी कमजोर है।

प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को गंभीरता से समझते हुए हालांकि अनेक अहम कदम उठाए हैं, लेकिन नीतियों से ज्यादा जरूरत है व्यवहार में बदलाव की। जब तक नागरिक, उद्योग, सरकार और संस्थाएं मिलकर नहीं चलेंगी, तब तक इस चुनौती का समाधान संभव नहीं होगा। प्लास्टिक हटाओ, प्रकृति बचाओ- यह सिर्फ नारा नहीं, अब ज़रूरत बन चुका है।

अपना जीवन -सद्भाव के साथ व्यतीत करे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सद्भाव का अर्थ है अच्छा व्यवहार, अच्छी भावना और सकारात्मक दृष्टिकोण से है, वही असद्भाव का अर्थ है बुरा व्यवहार, नकारात्मक भावना और खराब दृष्टिकोण से है।

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सद्भाव के गुणों का प्रभाव करुणा जिसमें दूसरों के प्रति दया और सहानुभूति रखना, सत्यनिष्ठा जिसमें सच्चाई और ईमानदारी का पालन करना होता है। क्षमा जिसमें दूसरों को माफ करना और अपने आप को भी माफ करना व दान जिसमें दूसरों की मदद करना और दान देने का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय संस्कृति में बताया गया है।

असद्भाव के गुणों में : गुस्सा और आक्रोश को अपने ऊपर हावी होने देना। अत्यधिक लालच और स्वार्थ को बढ़ावा देना। अज्ञानता और अंधविश्वास को बढ़ावा देना। दूसरों के प्रति घृणा और नफरत रखना।

सद्भाव का स्वयं पर प्रभाव

आंतरिक शांति:-सद्भाव से हमें आंतरिक शांति और संतुष्टि मिलती है, जो हमारे जीवन को सुखी और समृद्ध बनाती है।

आत्म-विश्वास:-सद्भाव से हमें आत्म-विश्वास मिलता है, जो हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है।

सद्भाव और असद्भाव

व्यक्तिगत विकास:- सद्भाव से हमारा व्यक्तिगत विकास होता है, जो हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने में मदद करता है।

समाज पर प्रभाव

सामाजिक समरसता:- सद्भाव से सामाजिक समरसता बढ़ती है, जो समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण बनाती है।

सकारात्मक संबंध:- सद्भाव से हमारे संबंध सकारात्मक और मधुर होते हैं, जो समाज में सहयोग और समर्थन का स्रोत बनते हैं।

सामाजिक प्रगति:-सद्भाव से सामाजिक प्रगति होती है, जो समाज को आगे बढ़ने और विकास करने में मदद करती है।

समाज पर प्रभाव

सामाजिक समरसता:- सद्भाव से सामाजिक समरसता बढ़ती है, जो समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण बनाती है।

सकारात्मक संबंध:- सद्भाव से संबंध सकारात्मक और मधुर होते हैं, जो समाज में सहयोग और समर्थन का स्रोत बनते हैं।

सामाजिक प्रगति:-सद्भाव से सामाजिक प्रगति होती है, जो समाज को आगे बढ़ने और विकास करने में मदद करती है।

परिवार पर प्रभाव

पारिवारिक समरसता-सद्भाव से पारिवारिक समरसता बढ़ती है, जो परिवार में शांति और सौहार्द का वातावरण बनाती है।

सकारात्मक पारिवारिक संबंध: सद्भाव से पारिवारिक संबंध सकारात्मक और मधुर होते हैं, जो परिवार में सहयोग और समर्थन का स्रोत बनते हैं।

पारिवारिक विकास:-सद्भाव से पारिवारिक विकास होता है, जो परिवार को आगे बढ़ने और विकास करने में मदद करता है।

देश पर प्रभाव

राष्ट्रीय एकता- सद्भाव से राष्ट्रीय एकता बढ़ती है, जो देश में शांति और सौहार्द का वातावरण बनाती है।

सकारात्मक राष्ट्रीय वातावरण:- अद्भाव से राष्ट्रीय वातावरण सकारात्मक और मधुर होता है, जो देश में सहयोग और समर्थन का स्रोत बनता है।

राष्ट्रीय प्रगति:- अद्भाव से राष्ट्रीय प्रगति होती है, जो देश को आगे बढ़ने और विकास करने में मदद करती है।

सद्भाव का व्यक्तिगत प्रभाव

आंतरिक अशांति:-असद्भाव से आंतरिक अशांति और असंतुष्टि होती है, जो जीवन को दुखी और असफल बना सकती है।

आत्म-विश्वास की कमी- असद्भाव से आत्म-विश्वास कम होता है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करने में बाधा उत्पन्न करता है।

नकारात्मक विचार- असद्भाव से नकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं, जो जीवन को और भी दुष्कर बना सकते हैं।

सामाजिक प्रभाव

सामाजिक दूरी:-असद्भाव से सामाजिक दूरी बढ़ती है, जो संबंधों में तनाव और कटुता का कारण बनती है।

नकारात्मक संबंध:-असद्भाव से नकारात्मक संबंध बनते हैं, जो जीवन में सहयोग और समर्थन की कमी का कारण बनते हैं।

सामाजिक असंतुष्टि:- असद्भाव से सामाजिक असंतुष्टि बढ़ती है, जो समाज में तनाव और संघर्ष का कारण बनती है।

पारिवारिक प्रभाव:-

पारिवारिक तनाव- असद्भाव से पारिवारिक तनाव बढ़ता है, जो परिवार में अशांति और असंतुष्टि का कारण बनता है।

नकारात्मक पारिवारिक संबंध- असद्भाव से नकारात्मक पारिवारिक संबंध बनते हैं, जो परिवार में सहयोग और समर्थन की कमी का कारण बनते हैं।

पारिवारिक असंतुष्टि- असद्भाव से पारिवारिक असंतुष्टि बढ़ती है, जो परिवार में तनाव और संघर्ष का कारण बनती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

तनाव और चिंता----असद्भाव से तनाव और चिंता बढ़ती है, जो मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

नकारात्मक भावनाएं- असद्भाव से नकारात्मक भावनाएं उत्पन्न होती हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को और भी प्रभावित करती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं- असद्भाव से मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे कि अवसाद और चिंता विकार।

एक और अच्छा साहित्य पढ़ने ऋषि मुनियों महापुरुषों की जीवनियों का अनुसरण करने से हमें -सद्भाव का सृजन होता है, सद्भाव का प्रभाव स्वयं, समाज, परिवार और देश पर बहुत अधिक होता है। अद्भाव से हम अपने जीवन को सुखी और समृद्ध बना सकते हैं और समाज, परिवार और देश के विकास में योगदान कर सकते हैं। पश्चात सभ्यता का अनुसरण करने के साथ अन्य नकारात्मक साहित्य का अनुसरण करने से असद्भाव का मानव जीवन पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। असद्भाव से आंतरिक अशांति, सामाजिक दूरी, पारिवारिक तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, सकारात्मक और अच्छा व्यवहार अपनाना आवश्यक है ताकि जीवन सुखी और समृद्ध हो सके।

आखर आखर झरे उजियार

सचमुच, बड़े दयालु थे दयानन्द

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सन 1883 के अक्तूबर माह की घटना है। जोधपुर नरेश ने स्वामी दयानन्द को आमंत्रित किया।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

स्वामी जी सूचित किए बगैर ही महल में चले आए। जोधपुर के महाराजा उस समय नन्ही जान नाम की वेश्या के संग चर्चारत थे। वो नहीं चाहते थे कि स्वामी जी को ये बात पता चले। महर्षि दयानन्द ने ये सब देखा तो उन्होंने महाराजा से कहा, आप जैसे राजा को ये शोभा नहीं देता कि सिंह होकर कुतिया के पीछे फिरे। महाराजा ने माफ़ी मांगी और भविष्य के लिए नन्ही जान को तिलांजलि दे दी।

परन्तु उस वेश्या को नागवार गुजरा। उसने साज़िश कर दयानन्द जी के रसोइया जगन्नाथ को रुपए देकर स्वामी जी के दूध में कांच मिलाकर देने को कहा। लालच के वशीभूत होकर उसने ऐसा कर दिया। बाद में उसे बड़ा पछतावा हुआ। उसने स्वामी जी से क्षमायाचना की। सारी बात उन्हें सही सही बता दी। महर्षि दयानन्द सचमुच बड़े दयालु थे। उनके मन में दया उमड़ आई। जगन्नाथ को कोसने की बजाय उन्होंने उसे रुपये देकर कहा, तू राज की सीमा से बाहर चला जा, अन्यथा तेरे पकड़े जाने का डर है।

जिस रसोइया ने स्वामी जी को जहर दिया, उसके बदले में उन्होंने धन, क्षमा और अभयदान दिया। क्षमा वीरपुरुष का आभूषण होता है,इस तरह सच्चाई और अच्छाई के नायाब उदाहरण बन गए महर्षि दयानन्द !

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

मनुष्येतर सृष्टि: **सत्वप्रधान:** ब्रह्माजी, उनके पुत्र देवर्षि नारद, सनकादि चार ऋषि, राजर्षि मनु, प्रजापति आदि। शिव उनकते भूतगण आदि। इन्द्र उनके साथ समस्त देवता, उनचास रुद्गण आदि, द्वादश आदित्य, आठ वसु, ग्यारह रुद्र, अश्विनी कुमार, ऋभु, ऋषि, विश्वेदेव, साध्यगण, गंधर्व, अप्सरा, नाग, सिद्ध, चारण, गुह्यक, पितर, विद्याधर आदि।

रजोगुण तमोगुण प्रधान- दैत्य, दानव, असुर, राक्षस, पिशाच, भूत, यक्ष आदि। उपरोक्त देव सर्ग, मानवी और मनुष्येतर सृष्टि रचना का जो वर्णन है वह एक सर्ग का है। कालचक्र के अनुसार सर्ग के प्रारंभ में सृष्टि की उत्पत्ति और अंत में प्रलय होते हैं।हर सर्ग में अलग-अग मन्वन्तर और चतुर्युगी (सत्य युग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलियुग) होती है। इस प्रकार प्रत्येक बार ब्रह्मा, ऋषि, प्रजापति, मनु आदि की वंश परंपरा अलग ही होती है। उपरोक्त सृष्टि की रचना का वर्णन हमारे एक पृथ्वी लोक का है विश्व ब्रह्माण्ड में इस प्रकार के अनन्त लोक हैं, जिनकी हमारे लिए कल्पना करना भी संभव नहीं है। हमें इतना ही समझना पर्याप्त है कि यह सब उस परम स्य स्वरूप परमात्मा की माया है। उनकी लीला है। उसे सत्य कहें या मिथ्या कहें यह सृष्टि भी उस विराट पुरुष का ही रूप है, क्योंकि परमात्मा के सिवा कहीं कुछ है ही नहीं। **क्रमशः**

ओपिनियन

कार्य और कर्म का फर्क

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अ इस भागते हुए समय में एक गलती जो हम में से ज़्यादातर लोग कर रहे हैं, वह है शब्दों का ग़लत चुनाव। या यूँ कहें, शब्दों की अधूरी समझ के कारण हुआ ग़लत और अपरिपक्व चुनाव। इस अपरिपक्वता का शिकार हैं दो बेहद ज़रूरी शब्द – कार्य और कर्म।

डॉ. अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

आज के समय में कई लोग कार्य और कर्म को एक ही समझ लेते हैं। उन्हें लगता है कि कोई भी कार्य करना ही कर्म है। इसी अधूरी समझ की वजह से लोग गीता में लिखी गई पंक्ति – "कर्म करो, फल की चिंता मत करो" – को भी केवल सतही रूप से ले लेते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि कार्य और कर्म में एक बड़ा फर्क है।

कर्म केवल किसी क्रिया को कर डालने भर का नाम नहीं है। यह एक पूरी प्रक्रिया है, जिसमें तीन मुख्य हिस्से होते हैं, सही समझ और भाव के आधार पर विचार, उन विचारों के आधार पर लोगों के साथ स्थायी खुशियों के लिए किया गया व्यवहार और शारीरिक सुविधा हेतु किया गया कार्य। जब ये तीनों किसी सही समझ से जुड़े होते हैं, तभी उसे कर्म कहा जाता है। आइए, कर्म को गहराई से समझने की कोशिश करते हैं ताकि हम इसे हर वक्त अपनी ज़िंदगी में देख सकें और एक बेहतर जीवन की ओर बढ़ सकें।

कर्म का पहला भाग है–सही समझ के साथ किया गया विचार

किसी भी कर्म की शुरुआत सही समझ के साथ किए गए विचार से होती है। हम अकेले हों या किसी के साथ, हम मन में हर समय कोई न कोई विचार चलाते रहते है। यह विचार इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी समझ ज़िंदगी, रिश्ते, पैसा, शरीर, समाज और स्वयं के बारे में कैसी है। अगर समझ स्पष्ट है, तो विचार भी स्वाभाविक रूप से स्पष्ट और सुखदायक होते हैं।

जब मन में समाधान होता है, संतुलन और समरसता होती है, विरोध नहीं – तब ऐसे विचार हमें उस दिशा में ले जाते हैं जो हमारी स्थायी खुशियों का कारण बनते हैं। यही विचार कर्म का पहला और सबसे गहरा पड़ाव है।

कर्म का दूसरा भाग है–सही विचारों से जुड़ा हुआ व्यवहार

अगर हमारे भावों में किसी को लेकर या खुद की दिनचर्या को लेकर बहुत सारी शिकायतें, जलन या विरोध बना हुआ है, तो इसका मतलब है कि हमारे भीतर कुछ ऐसा चल रहा है जो हमें ही स्वाभाविक रूप से स्वीकार नहीं हैं।

उदाहरण के तौर पर, किसी से हमेशा जलते रहना या खुद को छोटा समझते रहना – ये बातें हमें ही स्वाभाविक रूप से स्वीकार नहीं होती हैं और जब हम इन्हें बनाए रखते हैं, तो क्या हम आराम में रह पाते हैं? अगर हमें लगता है कि कोई व्यक्ति हमारे या किसी के साथ गलत कर रहा है, तब भी उससे बातचीत की जा सकती हैं, उसके लिए अन्दर इतना परेशान होने की क्या जरुरत हैं 7

कर्म का तीसरा भाग — सही समझ से चुना गया कार्य

जब आप यह देख पाते हैं कि कई लोगों का योगदान आपके जीवन में रहा है, तो आप सही विचार और व्यवहार के साथ-साथ ऐसा कार्य चुनते हैं जिससे न केवल जीवन यापन संभव हो, बल्कि उसमें सही अर्थ और उद्देश्य भी हो।

परंतु अगर कोई कार्य केवल डर, लालच या दिखावे के लिए किया गया है, तो वह केवल कार्य हो सकता है, कर्म नहीं। "कर्म का अर्थ है – सही समझ से उपजा विचार, और उस विचार पर आधारित व्यवहार और कार्य।"

इसी बात को एक उदाहरण से भी समझा जा सकता हैं, मान लीजिए कोई व्यक्ति केवल निजी लालच के लिए पढ़ाई करता है और पैसा कमाता है। वह रिश्तों को समय नहीं देता, सेहत को नज़रअंदाज़ करता है। उसे शुरू में नौकरी, पैसा और सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन कुछ वर्षों में वही व्यक्ति अकेलापन, तनाव और असंतोष झेलने लगता है। अब एक दूसरा व्यक्ति सोचिए, जो पढ़ाई को केवल नौकरी का ज़रिया नहीं, बल्कि संतुलन और समझ का माध्यम मानता है। वह रिश्तों को महत्व देता है, शरीर का ध्यान रखता है, और अपने कार्यों में उद्देश्य और भावना रखता है। उसका हर निर्णय सोच-समझ से होता है।

इसलिए अगली बार जब भी आप कोई कार्य करें — एक पल ठहरिए और सोचिए:

- क्या मेरे विचार सही समझ से उपजे हैं या किसी ग़लत आदत और माहौल से प्रभावित हैं?
- क्या मेरा व्यवहार उन्हीं विचारों से जुड़ा हुआ है?
- क्या मेरा कार्य केवल पैसा कमाने और ऐश करने के लिए है या किसी उद्देश्य से?

अगर इन तीनों सवालों का जवाब का आधार सही समझ हैं, तो यक़ीन मानिए, आपका कर्म आपको संतुष्टि और फल दोनों देगा। क्योंकि सही कर्म का फल मिलता ही है – और वह फल केवल दुनियावी सफलता नहीं, बल्कि मन की सार्थकता भी लाता है।

(य लेखक के अपने विचार है)

जागरूक जनता Selfie विद ग्रांड सन

राजीव जाट पौत्र पंछी देवी, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

Jagruk Janta NEWS
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta
जयपुर, बुधवार 11 जून - 17 जून, 2025
जागरूक न्यूज
05
जागरूक जनता www.jagrukjanta.net

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 11/06/2025

सूर्योदय : 05:36 **सूर्यास्त** : 19:16 **चन्द्रोदय** : 19:42 **चन्द्रास्त** : 05:05 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : ज्यैष्ठ **पूर्णिमांत** : ज्यैष्ठ **सूर्य राशि** : वृषभ **चन्द्र राशि** : वृश्चिक **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : पूर्णिमा, 13:11 तक **वार** : बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु** : ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : ज्यैष्ठा, 20:01 तक
योग: साध्य, 13:53 तक
प्रथम करण : बावा, 13:11 तक
द्वितिय करण : बालवा, 25:52 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:40 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:18 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:19 पी एम से
अमृत काल	10:35 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:01 ए एम, जून 12 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : चन्द्र
नक्षत्र शूल : पूर्व

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:35 - 07:18	उद्वेग	19:15 - 20:33
अमृत	07:18 - 09:00	शुभ	20:33 - 21:50
काल काल वेला	09:00 - 10:43	अमृत	21:50 - 23:08
शुभ	10:43 - 12:25	चर	23:08 - 00:25
रोग वार वेला	12:25 - 14:08	रोग	00:25 - 01:43
उद्वेग	14:08 - 15:50	काल	01:43 - 03:00
चर	15:50 - 17:33	लाभ	03:00 - 04:18
लाभ	17:33 - 19:15	उद्वेग	04:18 - 05:35

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पूर्णिमा

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, शुक्ल, पूर्णिमा, 2082 बुधवार, 11 जून- 17 जून, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के अनुसार पूर्ण होंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दिन आनंदपूर्वक बीतेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि होगी। व्यवसाय-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
व्यापार-धंधे में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, जिससे मन व्यथित हो सकता है, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
व्यावसायिक गतिविधियां सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कार्यक्षेत्र में प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
कारोबार में धनलाभ और नौकरी में तरक्की होगी। कार्यों में सफलता से धनलाभ की स्थिति बनेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

किसानों को उच्च गुणवत्तायुक्त बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराना ही राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय-डॉ. किरोडी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने बताया कि किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद, बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अमानक उर्वरकों व बीजों पर अंकुश लागाने के लिए कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाये जाते हैं। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री शासन सचिवालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने बताया कि विनिर्माताओं व निर्माताओं के निरीक्षण के दौरान अनियमित्ता पाये जाने पर कृषि आदानों से संबंधित नियमों, अधिनियमों, उर्वरकर नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत बिक्री पर रोक, जबती, लाइसेंश निलंबन या निरस्तिकरण जैसी कार्यवाही की जा रही हैं। मीणा ने बैठक में निर्देशित किया कि कृषि विभाग से संबंधित जन समस्याओं के निराकरणा हेतु एक पृथक कॉल सेंटर की व्यवस्था करें। जहां पर जनशिकायतों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जा सकेगा। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग को पत्र लिखने हेतु कहा।

अमानक बीज

उन्होंने बताया कि अमानक बीज ऐसे बीज होते हैं, जो देखने में असली और प्रमाणित बीज जैसे ही लगते हैं, लेकिन वास्तव में उनकी गुणवत्ता बहुत खराब होती है। इनमें अंकुर दर कम होती है, पौधे की बढ़वार कमजोर होती है और उत्पादन भी अपेक्षित मात्रा में नहीं मिलता है। ये बीज भारतीय बीज अधिनियम 1966 के अनुसार, निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरते, कुछ मामलों में नकली बीज पुराने या खराब भण्डारन वाले भी होते हैं, जिनकी अंकुर क्षमता लगभग समाप्त हो चुकी होती है।

अमानक बीज बेचने वालों की सूचना दें

उन्होंने कहा कि अगर किसी को अमानक बीज बेचने की जानकारी मिले, जो इसकी सूचना तुरंत स्थानीय कृषि विभाग या पुलिस को दें, बीज अधिनियम के तहत ऐसे मामलों में सख्य कार्रवाई का प्रावधान है, किसान लॉट वाईज बिल अवश्य प्राप्त करें ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। किसानों से अपील की जाती है कि वे प्रमाणित बीज ही खरीदें और सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, इसके साथ ही प्रशासन को भी सख्ती से अमानक बीजों की बिक्री पर रोक लगानी चाहिए, अगर किसान सजग रहेंगे और बीज खरीद में सावाधानी बरतेंगे तो वे अमानक बीजों के जाल से बच सकते हैं।

अमानक बीज से बचाव के उपाय

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को कृषि विभाग द्वारा पंजीकृत और बीज अधिनियम 1966 के तहत प्रमाणित बीज ही खरीदना चाहिए, बीज खरीदते समय पैकेट पर सर्टिफाइड सीड का चिन्ह, प्रमाणन तिथि, वैधता तिथि, अंकुरण दर और लाइसेंस नम्बर अवश्य देखें। किसान प्रमाणित और ब्रांडेड बीज का ही उपयोग करें। बीज केवल कृषि विभाग से अधिकृत विक्रेताओं या सरकारी बीज निगमों की दुकानों से ही खरीदे, इससे बीज की गुणवत्ता और शिकायत की स्थिति में समाधान की व्यवस्था रहती है। बुवाई से पहले बीज का अंकुरण परीक्षण अवश्य करें, 100 बीजों का एक नमूना लेकर नम कपड़े में अंकुरित कर अंकुरण दर जांची जा सकती है, इससे बीज की क्षमता का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। किसानों को अमानक बीजों से बचाव के लिए जागरूक होना बेहद जरूरी है, उन्हें पंचायत स्तर, किसान मेलों, कृषि विभाग के जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। साथ ही स्थानीय कृषि विज्ञान केन्द्र या कृषि अधिकारी से जानकारी लेकर ही बीज का चुनाव करें। सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए कई ऑनलाइन पोर्टल शुरू किए हैं, जैसे 'ई-नाम', आई-कृषि पोर्टल' और 'बीज निगरानी प्रणाली', इन माध्यमों से किसान प्रमाणित बीजों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं।

असाध्य रोगों में चमत्कारी राहतः हाइपबॉरिक ऑक्सीजन थेरेपी (HBOT) दे रही है नई उम्मीद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। चिकित्सा विज्ञान में एक विशेष तकनीक- हाइपर्बारिक ऑक्सीजन थेरेपी (HBOT)- उन रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है जिनकी पारंपरिक उपचार से बीमारी में कोई विशेष राहत नहीं मिल रही। यह थेरेपी विशेष रूप से गंभीर और जटिल रोगों में कारगर सिद्ध हो रही है, जैसे कि गहरे जख्म (न भरने वाले घाव), डाइबिटिकफुट, गैंग्रीन, ब्रेनस्ट्रोक, सेरेब्रलपाल्सी, खून का थक्का, सूजन, रेडिएशन के दुष्प्रभाव, सुनने की क्षमता में कमी (Sudden Hearing Loss), एंटी-एजिंग व सेल रिपेयर जैसे कई जटिल रोग। वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश अग्रवाल का कहना है कि इस थेरेपी के जरिए शरीर के ऊतकों तक सामान्य से 10 से 15 गुना अधिक ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है, जिससे ऊतक पुनर्जीवित होने लगते हैं और सेलुलर स्तर पर ही लिंग की गति अत्यंत तीव्र हो जाती है।

क्याहै एचबीओटी थेरेपी?

इस उपचार में मरीज को एक विशेष हाइपर्बारिक चेंबर में बैठाया जाता है, जहां लगभग 90 मिनट तक नियंत्रित रूप से बढ़े हुए वायुदाब में शुद्ध ऑक्सीजन दी जाती है। इस प्रक्रिया से शरीर के तरल (प्लाज्मा) में ऑक्सीजन की मात्रा अत्यधिक बढ जाती है और यह गहराई तक उन ऊतकों में भी पहुंचती है जहां सामान्य ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं हो पाती।

कैसे काम करती है यह थेरेपी ?

- यह नए रक्त वाहिकाओं के निर्माण (Neoangiogenesis) में मदद करती है।
- इंफ्लेमेशन (सूजन) को कम करती है।
- शरीर की प्रति रक्षाप्रणाली को सशक्त करती है।
- घावों को तेजी से भरने में सहायक होती है।
- सेलुलर स्तर पर पुनरुद्धार (Regeneration) को बढ़ावा देती है।

डॉ. अग्रवाल के अनुसार, यह थेरेपी न केवल रोगियों को राहत दे रही है बल्कि कई बार उनकी सर्जरी टालने में भी सफल रही है। पश्चिमी देशोंमें HBOT पहले से ही चिकित्सा मान्यता प्राप्त एक मजबूत सहायक चिकित्सा पद्धति है, जो अब भारत में भी धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रही है।

श्याम मसाले का स्वाद और शुद्धता अब Zepto, Blinkit एवं Swiggy के साथ भी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्याम मसाला ने Zepto, Blinkit और Swiggy जैसे Quick डिलीवरी ऐप्स के साथ मिलकर राजस्थान और दिल्ली NCR में मसालों की सीधी होम डिलीवरी शुरू की थी। यहाँ के लोगों का श्याम मसाले के प्रति आकर्षक पसंद एवं लोकप्रियता को देखते हुए, मुंबई जैसे महानगर में भी Zepto के माध्यम से श्याम मसाला घर-घर पहुँचाने की शुरुआत कर दी है। कम्पनी का मानना है कि जब शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त उत्पाद सीधा ग्राहक तक पहुँचता है तो भरोसा और अधिक मजबूत होता है। इस सोच के साथ कंपनी ने ऑनलाइन प्लेटफार्म को चुना है, ताकि हर घर तक शुद्धता एवं गुणवत्तायुक्त मसाले का स्वाद पहुँच सके। सीधा उपभोक्ता एवं ग्राहक के साथ जुड़ाव और अधिक मजबूत हो इसके लिए कम्पनी ने मदर्स-डे के मौके पर FM रेडियो के साथ मिलकर कायक्रम किया। इस मौके पर माता-बहनों के लिए गिफ्ट हैंपर रखे गये, जिसमे 1000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। इस पहल से श्याम ब्रांड के रिश्ते उपभोक्ता के साथ और खास एवं मधुर बने।

गुप्त वृन्दावन धाम में पानीहाटी चिड़ा दही उत्सव में श्री श्री कृष्ण बलराम ने किया जल विहार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गुप्त वृन्दावन धाम में पानीहाटी चिड़ा दही उत्सव का महा आयोजन किया गया, मंदिर में ये उत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया जिसमे पूरे शहर से श्रद्धालु भगवान् के दर्शन के लिए उमड़े पड़े और श्री श्री कृष्ण बलराम का शुभाशीष प्राप्त किया। इस त्यौहार को दंड महोत्सव (सजा का त्योहार) के रूप में भी जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के पास पानीहटी नामक गाँव है, इस गाँव में श्री नित्यानद प्रभू के साथ श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी की पहली मुलाक़ात हुई थी, मन्दिर अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया की हर साल इसी के उपलक्ष्य में गुप्त वृन्दावन धाम में पानीहाटी चिड़ा दही उत्सव का आयोजन होता है। इस दिन श्रील रघुनाथदास गोस्वामी ने श्री नित्यानद प्रभू के आदेश का पालन करते हुए सभी भक्तों को दही के साथ मिश्रित चावल वितरित किये थे। पानीहाटी चिड़ा दही उत्सव में श्रीश्री कृष्ण बलराम को अलग अलग प्रकार के चिड़ा दही का भोग लगाया जाता है और जल विहार होता है। श्री श्री गौर निताई का महा अभिषेक होता है और पालकी उत्सव में भक्त नाचते गाते भगवान् का स्मरण करते है।

पुजारी देवेंद्र तिवारी का मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संत बाबा मैहर दास मंदिर ट्रस्ट के पूजा प्रभारी देवेन्द्र तिवाड़ी का जन्मदिन वैदिक रीति-रिवाज से मनाया गया। इस मौके पर भक्तगण एवं बाल मंडली को अल्पाहार प्लेट वितरित की गई। पुजारी देवेन्द्र की माताजी के साथ दीप प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रों की ध्वनि के बीच पुष्पवर्षा कर दीर्घायु का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में ट्रस्ट अध्यक्ष लोकचन्द हरीरामानी, कन्हैया लाल, महावीर सैन, रमेश, नगेन्द्र वशिष्ठ, मीरा, गणेश, शशि हरिरामानी एवं बाल मण्डली मौजूद रही।

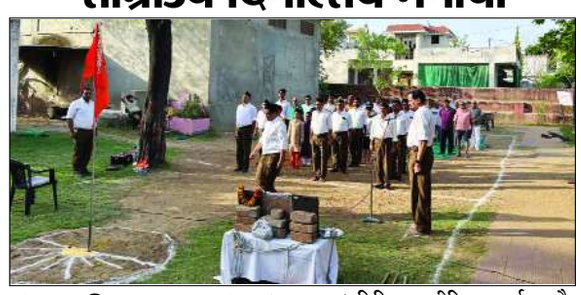

बन रहा अनुसंधान केंद्र, हैदराबाद से बीज लाकर होगा परीक्षण

दुनिया के लगभग 25% बाजरे का उत्पादन राजस्थान में

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। पश्चिमी राजस्थान के किसानों के लिए आगामी वर्ष से एक नई उम्मीद की किरण नजर आ रही है। अब उन्हें उनके स्थानीय पर्यावरण और जलवायु के अनुसार विकसित उन्नत किस्म का बाजरा बीज उपलब्ध होगा। इससे न केवल बाजरे की पैदावार में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों के घरों में समृद्धि का मार्ग भी खुलेगा। यह सब संभव होगा बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी में बन रहे बाजरा अनुसंधान केंद्र के माध्यम से, जिसका निर्माण कार्य इन दिनों तेज गति से चल रहा है।

निर्माणाधीन अनुसंधान केंद्र

यह केंद्र आगामी छह माह में तैयार हो जाएगा, जिसमें रिसर्च लैब और आधुनिक कृषि संसाधन स्थापित किए जाएंगे। यह पहल भारत सरकार के कृषि मंत्रालय व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से वर्ष 2023 को 'विश्व मिलेट वर्ष' घोषित करने के बाद मोटे अनाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

पश्चिमी राजस्थान में बाजरा उत्पादन सर्वाधिक

पश्चिमी राजस्थान में दुनिया का लगभग 25 प्रतिशत बाजरा उत्पादित होता है और बाड़मेर जिले में प्रतिवर्ष औसतन 5 लाख मीट्रिक टन से अधिक बाजरे का उत्पादन होता है। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने गुड़ामालानी में अनुसंधान केन्द्र स्वीकृत किया। 27 सितंबर 2023 को देश के उपराष्ट्रपति ने इसकी आधारशिला रखी गई थी।

अगस्त 24 से चल रहा निर्माण कार्य

हालांकि, चुनावी प्रक्रियाओं के चलते टेंडर प्रक्रिया में कुछ विलंब हुआ, लेकिन अगस्त 2024 में निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया। अब दो मंजिला भवन का ढांचा तैयार हो चुका है और जल्द ही चुनाई व फिनिशिंग का कार्य भी शुरू किया जाएगा। केंद्र को आगामी छह माह में पूरी तरह तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह अनुसंधान केंद्र 40 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है और इसकी चारदीवारी का कार्य पूर्ण हो चुका है। यह केंद्र हैदराबाद स्थित आईसीएआर-आईआईएमआर का सहयोगी संस्थान होगा, जो देश भर में विभिन्न प्रकार के बाजरा बीज उपलब्ध कराता है।

हैदराबाद से बीज लाकर करेगा परीक्षण

गुड़ामालानी अनुसंधान केंद्र हैदराबाद से विभिन्न किस्मों के बाजरा बीज लाकर उन्हें स्थानीय मिट्टी, पानी, हवा और जलवायु परिस्थितियों में परीक्षण करेगा। इन फसलों का निरीक्षण प्रगतिशील किसानों के माध्यम से करवाया जाएगा। जो फसल इस क्षेत्र की परिस्थितियों में सबसे अच्छी तरह से पनपेगी, उस पर कृषि वैज्ञानिक गहन अनुसंधान करेंगे। अनुसंधान के उपरांत चयनित बीज को देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों के सहयोग से बड़े स्तर पर तैयार करवाया जाएगा। इसके बाद आगामी मानसून से पहले यह स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल उन्नत बाजरा बीज किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

केंद्र का भवन करीब छह माह में तैयार होगा। केंद्र पर उन्नत किस्म का बाजरा बीज तैयार करने को लेकर विभिन्न किस्म के बाजरा की बुवाई करेंगे। एक प्रक्रिया और अनुसंधान के बाद देश के कृषि विश्वविद्यालयों में इसका बीज तैयार करवाएंगे। जो स्थानीय हवा, मिट्टी, पानी, वातावरण के अनुसार होगा।
-डॉ. एसएन सक्सेना, प्रभारी बाजरा अनुसंधान केंद्र गुड़ामालानी

गंगा जमना कॉलोनी में हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव मनाया

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वीर सावरकर तरुण व्यवसायी शाखा द्वारा गंगा जमना कॉलोनी के मंदिर पार्क मे समाज के साथ हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव मनाया गया। शाखा कार्यवाह कैलाश ने उद्बोधन में हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मनाए जाने वाले 6 आधिकारिक उत्सवों में से एक है, जिसे शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के दिन मनाया जाता है। कार्यक्रम में शाखा को नगर इकाई द्वारा आधिकारिक रूप से संघ के गुरु स्वरूप भगवा ध्वज प्रदान किया गया। विभिन्न शारीरिक प्रदर्शन और दंड संचालन प्रदर्शन के उपरांत शाखा कार्यवाह कैलाश ने शाखा का वार्षिक प्रतिवेदन सामने रखा। कार्यक्रम में मुख्य बौद्धिककर्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर महानगर सामाजिक समरसता प्रमुख महेश भारद्वाज ने शिवाजी महाराज, संघ और भगवा ध्वज पर अपनी बात समाज के सामने रखी। कार्यक्रम में बस्ती के स्वयंसेवकों के साथ समाज के महिला पुरुष सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की समाप्ति सामूहिक संगीतमय हनुमान चालीसा के साथ हुई।

निर्जला एकादशी पर किया ठंडाई, शर्बत वितरण

जयपुर @ जागरूक जनता। आराध्य फाउण्डेशन एवंगणेश मंदिर पानीपेच की ओर से निर्जला एकादशी के अवसर पर ठंडाई, शर्बत का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्याम प्रेमियों ने उत्साह और उमंग से राहगीरों को ठंडाइ, शर्बत पिलाया। इस मौके पर श्याम बाबा की विशेष झांकी भी सजाई गई।

बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

हार्बिन का इतिहास: इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

मिली-जुली संस्कृति: 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

इस वजह से रहता है ठंडा: आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड: यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अनोखा है बर्फ महोत्सव: हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीइंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

अन्य गतिविधियां: बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं।

मिला संगीत शहर का खिताब

हार्बिन में संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

प्रमुख रेलवे केंद्र

हार्बिन पूर्वोत्तर चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

कोसना बंद करें: कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

नजरिया रखता है मायने: हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

एवरेज मानसिकता से उबरें: अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें: विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

इस आदत के नुकसान: हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी।

लोगों को जज ना करें

अकसर व्यवहारगत कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

इसलिए होता है कठिन: सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

इसलिए सटीकता है जरूरी: आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो।

सही समय जानने की यात्रा

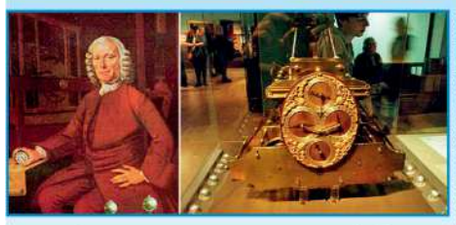

इंसान को सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिक्कों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

समय का पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

अमूर तेंदुआ: यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

सुमात्रन गैंडा: यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान: ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

क्रॉस रिवर गोरिल्ला: यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

व्हेल शार्क: दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

पैंगोलिन: एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

गंगा डॉल्फिन: भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं।

बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।

जागरूक खबरें

श्री राधा कृष्ण जी का तीसरा पाटोत्सव मनाया, 56 भोग धरा महा आरती की गई

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। खरडेश्वर महादेव मंदिर में स्थित श्री राधा कृष्ण का तीसरा पाटोत्सव वैदिक विधि विधान के साथ मनाया गया। खरड़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्थापित श्री राधा कृष्ण के तीसरे पाटोत्सव पर पं सूर्य प्रकाश त्रिपाठी द्वारा गोपाल सहस्त्रनाम पुरूषोत्तम सूक्त तक और लक्ष्मी सूक्त अभिषेक किया गया। दिन भर चले पाटोत्सव में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पाटोत्सव के मौके पर पूरे दिन श्री राधा कृष्ण को खरडेश्वर महादेव सेवा पूजा संस्थान के पदाधिकारी और श्रद्धालुओं ने विविध प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया। दिन भर चले पूजा अनुष्ठान के बीच शाम को श्री राधा कृष्ण का आकर्षक श्रृंगार कर मनीष कालिया और प्राची कालिया द्वारा छप्पन भोग लगाकर महा आरती की गई। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष किशनलाल सोनी, देवराज साहू, चंद्रेश सिंह तंवर, हीरालाल वैष्णव, दशरथ छीपा, पुजारी ललित चौबीसा, सुरेंद्र पाराशर, हेमेंद्र सोनी, हरीश सुथार सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

कॉलोनी वासियों ने पछियों के लिए लगाया परिंडा

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सी स्कीम प्रताप नगर में सभी कॉलोनी वासियों ने पछियों के लिए शहीद रामलाल आर्य पार्क में परिंडे लगाएं एवं संकल्प लिया कि वर्ष भर इनकी देखभाल करेंगे परिंडा लगाने के अवसर पर सभी कॉलोनी वासियों अलग-अलग पेड़ो पर परिंडा लगाए। साथ ही निर्णय लिया कि बारी-बारी से इनमें समय-समय पर पानी भरेंगे। इस दौरान अमित प्रताप सिंह, जोनित अग्रवाल, अंशुल यादव, जयप्रकाश शर्मा, निहाल सिंह, राजेंद्र शर्मा, विनोद तुलसानी, उत्तम वैष्णव, हरीश डंग, भंवर सिंह, पारुल तेनगरिया, दिलीप पोखरना आदि उपस्थित रहे। कॉलोनी के सदस्यों ने वर्तमान में हीट वेव के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सभी से आग्रह किया कि प्रत्येक कॉलोनी वासी अपनी तरफ से एक-एक परिंडा अपने घर के बाहर लगाए एवं उसकी देखभाल करें जिससे पछियों का संरक्षण किया जा सके एवं पछियों को जल मिले इसके लिए अभी से तैयारी करते रहे।

कांग्रेसजन 23 को एसपी कार्यालय का करेंगे घेराव

बारां @ जागरूक जनता। राजस्थान में बारां में जिला कांग्रेस की ओर से 23 जून को प्रदर्शन करके पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया जायेगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एवं विपक्ष के नेता टीकाराम जूली शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया डोटासरा और जूली के नेतृत्व में 23 जून को संविधान बचाओ रैली का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया जायेगा। इसी के साथ जिले में अवैध खनन, स्मैक, गांजा, शराब, सट्टा, वन भूमि पर अतिक्रमण, बढ़ते अपराध सहित जिले के कांग्रेसजनों के खिलाफ झूठे पुलिस मुकदमों के विरोध में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया जायेगा।

गंगा दशहरे पर अलख पंथ के प्रणेता श्री उदयगिरी जी महाराज की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा

समाधि के 148 साल बाद सिद्धासन में विराजे 'बाबोजी' के दर्शन के लिए लगा श्रद्धालुओं का तांता

'देवो भूत्वा देवं यजेत' और 'सुप्रतिष्ठेभव' की वेद ध्वनियों से किया उदयगिरी जी महाराज का आह्वान

चंचल हर्ष सेठ रतनलाल हर्ष परिवार ने बनवाई 4 क्विंटल वजनी संगमरमर की चित्ताकर्षक प्रतिमा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर/जयपुर। धर्मनगरी बीकानेर के जाने–माने अध्यात्वेत्ता, सिद्धयोगी और युगदृष्टा श्री श्री 1008 श्री उदय गिरी जी महाराज (बाबोजी) की सफेद संगमरमर से बनी सजीव और चित्ताकर्षक मूर्ति की गुरुवार को गंगा दशहरे के उपलक्ष्य में नत्थूसर गेट के बार स्थित उनके समाधिस्थल पर श्री चंचल हर्ष सेठ रतनलाल हर्ष परिवार की ओर से प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। परिवार की ओर से बाबोजी के समाधिस्थ होने के 148 वर्षों बाद पहली बार उनकी मूर्ति का निर्माण कराया गया है, जिसकी विधिवत स्थापना वैदिक रीति और परम्पराओं का निर्वहन करते हुए मंत्रोच्चारण के साथ हुई। 'सुप्रतिष्ठेभव' एवं 'देवो भूत्वा देवं यजेत' सरीखी पावन वेद ध्वनियों की अनूगूंज के बीच चंद्रेश हर्ष और उनकी धर्मपत्नी रजनी हर्ष ने प्राण प्रतिष्ठा कराते हुए 'बाबोजी' से देश और समाज की प्रगति और खुशहाली की कामना की।

गूंजा 'जय अलख' और 'अलख' का पावन उद्घोष

आयोजन समिति के सह संयोजक नूतन कुमार हर्ष ने बताया कि सात फीट ऊंची संगमरमर की स्वर्णिम गुम्बद वाली बंगली में सिद्धासन में विराजे 'बाबोजी' की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होते ही श्रद्धालुओं के दिलों में आनंद, उल्लास और अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा का समंदर उमड़ पड़ा। सभी ने समवेत स्वरों में 'जय अलख', 'जय श्री गुरु अलख' व 'अलख' के पावन उद्घोष से उदयगिरी जी महाराज के प्रति मन में बसे भावों का खुशी और प्रेम के साथ इजहार किया।

दिनभर बना रहा भक्तिमय माहौल

आयोजन समिति के सदस्य विकास हर्ष ने बताया कि समाधि स्थल पर आने वाले बाबोजी के भक्तों ने शिव पंचाक्षर स्रोत, रुद्राष्टकम, महामृत्युंज्य मंत्र और धि भजनों से सरोबार माहौल में बाबोजी की नव स्थापित प्रतिमा का उत्सव मनाया और जलाभिषेक करते हुए अपनी भावांजलि अर्पित की। प्रतिष्ठा महोत्सव में पंडित विजय कुमार ओझा 'मुन्ना महाराज', बसंत महाराज, जूनी महाराज और गोकुल महाराज के सान्निध्य में उदयगिरी जी महाराज की नूतन प्रतिमा का शुभ मुहूर्त में पंचामृत, दिव्य औषधियों और जड़ी बूटियों के भव्य अभिषेक किया गया।

संत समागम में हुआ साधु–महात्माओं का सम्मान

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में विशेष रूप से आमंत्रित अलख मत और अन्य पंथों के साधु संतों का अभिनंदन सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने समागम में संतों की सेवा सुरूषा करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। शाम को समाधिस्थल पर उदय गिरी जी महाराज की नव स्थापित प्रतिमा के समक्ष भव्य महाआरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में संत–समाज, साधु–महात्मा, जनप्रतिनिधिगण, समाज के प्रबुद्धजन, धर्म और अध्यात्म के प्रेमी,समाज की विभिन्न जातियों से उदयगिरी जी महाराज के भक्त और श्रद्धालुगण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने अपूर्व उत्साह के साथ भाग लिया।

योग–साधना की अलख जगाने वाले उदय गिरी जी महाराज

पश्चिमी राजस्थान में जांगल प्रदेश और मरुधरा के रूप में विख्यात बीकानेर की पावन धरा से जुड़े उदयगिरी जी महाराज आज से करीब डेढ़ सदी पूर्व समाधिसथ हुए। उन्होंने अपने जीवनकाल में आध्यात्मिक साधना, तपोबल और शिवोपासना के बल पर समाज को लोक कल्याण और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की सीख दी। 'बाबोजी– ने त्याग, तप और तपश्चर्या के दुरूह पथ को अपनाकर अलख मत की स्थापना करते हुए छोटी काशी बीकानेर की मरुधरा को अपने ज्ञान से आलोकित किया। वे सदैव लोक जीवन में सत्य, नेकी और परोपकार के पैरोकार रहे और अपने जीवन दर्शन से अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने चराचर जगत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रादुर्भाव कर ईश्वरोपासना की राह दिखाने वाले संतों के सिद्धांतों और आदर्शों को जन जन तक पहुंचाया। यहीं कारण है कि आज भी उदयगिरी जी महाराज जैसे योगी युगपुरुष के सिद्धांत और आदर्शों की दुहाई और प्रसार करके उनके अनुयायी खुद को धन्य समझते हैं।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी पूर्व न्यास अध्यक्ष महावीर रांका,लखपत व्यास, एस के आचार्य, करणी दान हर्ष 'महाराजा', अनिल हर्ष, राम कुमार पुरोहित, हरी प्रकाश हर्ष,दिलीप बाठिया,संतोष हर्ष, खेमचंद, डी पी पच्चीसिया,सुरेंद्र जैन,जुगल राठी,एडवोकेट ओ पी हर्ष, दिनेश हर्ष विनोद हर्ष अवनेश माथुर अनिल हर्ष कुमार गौरव हर्ष अपूर्व हर्ष , एम डी हर्ष, सुरेश खत्री, राम रतन धारणिया सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

खुशहाल वृद्धाश्रम ने महावीर इंटरनेशनल के माध्यम से तीसरा देहदान संपन्न कराया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। महावीर इंटरनेशनल ने द्वारकेश सेवा समिति द्वारा संचालित खुशहाल वृद्धाश्रम में वर्तमान में जावद दरवाजा निंबाहेड़ा निवासी 72 वर्षीय ओम प्रकाश पुत्र स्व शंकर लाल कुमावत का परिवार की सहमति से मरणोप्रांत देहदान संपन्न कराया गया। ओमप्रकाश एवं पत्नि चंद्रकला दोनों को उनकी पुत्री किरण बोहरा करीब एक वर्ष पहले आश्रम में निवास करवाने के लिए लाई थी। आश्रम द्वारा उनकी पूरी देखभाल एवं सेवा की जा रही थी। गत सप्ताह शनिवार को अकस्मात उनकी तबियत बिगड़ने पर उन्हें राजकीय जिला चिकित्सालय की गहन चिकित्सा ईकाई में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान 8 जून को उनका देहावसान हो गया। उनकी पत्नि, पुत्र प्रवीण, पुत्री किरण एवं अन्य परिवारजन की सहमति एवं उपस्थिति में खुशहाल आश्रम ने महावीर इंटरनेशनल के माध्यम से देहदान संपन्न कराया। मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग के स्टाफ ने डॉ प्रवीण एवं डॉ आशीष शर्मा के निर्देशन पर देह प्राप्त की। पति के देहांत के पश्चात भी उनकी पत्नि चंद्रकला ने आश्रम में रहने का ही निर्णय किया। खुशहाल आश्रम से यह तीसरा देहदान कराया गया। पूरी प्रक्रिया में संचालिका नंदिनी त्रिपाठी एवं गजराज परमार की प्रमुख भूमिका रही। महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष अभय संजेती, प्रकाश पोखरना, नवनीत मोदी, राजेंद्र संचेती ने देहदान की प्रक्रिया संपन्न कराई। गौरव स्वर्णकार ने सहयोग प्रदान किया।

प्रजापत बने कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष

रामजीकागोल @ जागरूक जनता। क्षेत्र के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने गुड़ामालानी विधानसभा के रामजीकागोल के मंडल अध्यक्ष कुम्भाराम प्रजापत को नियुक्त किया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा व पुर्व केबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी, जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष गफूर अहमद , ब्लाक अध्यक्ष दिनेश चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राणा सुरेन्द्र सिंह का आभार जताया। प्रजापत मंडल अध्यक्ष बनने पर नाथाराम सारण पंचायत समिति सदस्य बांटा, खूमाराम बैरड पूर्व सरपंच रामजीकागोल, हेमाराम सियाग पुर्व सरपंच बांटा, भींयाराम बैरड पूर्व सरपंच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डालुराम एडवोकेट, दिनेश पटेल एनएसयूआई नेशनल कोर्डिनेशन, शिवनारायण सियाग सरपंच सगरोणियो की बेरी, रामाराम बैरड सरपंच प्रतिनिधि रोली, सांवलाराम चौधरी डाबली,मफताराम चौधरी डाबली,भुपाराम देवासी गाधव, विरधाराम प्रजापत पुर्व मंडल अध्यक्ष रामजीकागोल, देवकिशन सियोल अध्यक्ष जीएसएस रामजीकागोल, राजेश कड़वासरा पीपराली, रामसिंह राठौड़ ठिकाना गादेवी,भाणी देवी मेघवाल पूर्व सरपंच, जीयाराम सियोल अध्यक्ष जीएसएम सगरोणियो की बेरी, पुराराम मेघवाल पालियाली, चिमनाराम गोदारा अध्यक्ष जीएसएम रोली,केवलचन्द जैन पीपराली, कानाराम प्रजापत वरिष्ठ नेता बेरी गांव, जवानाराम प्रजापत अध्यक्ष जीएसएम बेरी गांव,भोमाराम सियोल प्रवक्ता कांग्रेस, धर्माराम सारण, सहित कांग्रेस नेतागणों ने खुशी जाहिर की

एक शाम गौ माता के नाम भव्य रात्रि जागरण 16 को

रावतसर @ जागरूक जनता। श्री आईदान बाबा नंदी गौ सेवा संस्थान अध्यक्ष विशनाराम कड़वासरा एवं सचिव अणदाराम कड़वासरा ने बताया कि महंत जगरामपुरी महाराज पनोणियो का तला के सानिध्य में इस जागरण में ख्याति प्राप्त कलाकार ओम मुण्डेल एण्ड पार्टी द्वारा रातभर शानदार भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस मौके पर अतिथिगण के रूप में पूर्व केबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, पूर्व केबिनेट मंत्री, मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं बायतु विधायक हरीश चौधरी, सांसद उम्मेदाराम बेनिवाल, बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी, अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर डॉ रुमा देवी, बाड़मेर ग्रामीण प्रधान जेठी देवी, सरपंच रम्भा देवी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर जगरामपुरी महाराज पनोणियो का तला, जगदीश पुरी महाराज चौहटन मठ,प्रतापपुरी महाराज तारातरा मठ,बीरबलनाथ महाराज कतरियासर, मोटनाथ महाराज लीलसर, रघुनाथ भारती महाराज सिणधरी,खुशालगिरी महाराज गंगागिरी मठ,नारणपुरी हमीरपुरा मठ, शंभुनाथ सैलानी चंचलप्राग मठ,जोगनाथ महाराज राणासर खुर्द,जेठनाथ महाराज कोलू, आनन्दपुरी सियाणी मठ,दौलतनाथ भाडखा,भैरभारती बायतु, जसवंतभारती निर्माणधाम सिरोही, चेतनानंद सरस्वती वैदिक प्रवक्ता बाड़मेर, साध्वी सत्यासिद्धा वात्सल्य ग्राम केन्द्र बाड़मेर, श्री पुरनाथ जी महाराज, जसनाथ आश्रम बाड़मेर सहित दर्जनों साधु संत मौजूद रहेंगे। नवीन गोदारा ने बताया कार्यक्रम में आईदान बाबा मंदिर परिसर में कबूतरों का चबूतरा पक्षी महल पक्षियों को समर्पित किया जाएगा।

भाजपा देहात दक्षिण के बिलाड़ा विस के पीपाड़ शहर नगर मंडल की कार्यकारिणी घोषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार तथा संभाग प्रभारी प्रमोद सामर एवं जोधपुर देहात दक्षिण जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी की अनुशंसा पर बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पीपाड़ शहर नगर मंडल के नई कार्यकारिणी घोषणा की जाती है। मंडल अध्यक्ष आदित्य कच्छावाह की अगुवाई में गठित टीम में विभिन्न पदों पर अनुभवी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मंडल कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारी

उपाध्यक्ष- शोभा/पारसमल छीपा, जेठाराम सांखला, बंशीलाल लखारा, राजेंद्र सोनी, शांतिलाल कांकरिया, किरण/चैनाराम गहलोत, महामंत्री- देवाराम जांगिड़, मनोहर लाल सोनेल, मंत्री- पुजा/दिलखुश जीनगर, मंजू/जितेंद्र प्रजापत, मीनाक्षी/ कल्याण टाक, विक्रम देवड़ा, कपिल खंडेलवाल, सरोज/ गुरबख्श खटीक। कोषाध्यक्ष- सुनील मनिहार, सोशल मीडिया प्रभारी-रामकिशोर टाक, कार्यालय प्रभारी- सुरेश ढोली को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त,51 अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लक्ष्य और भविष्य की रणनीति

मंडल अध्यक्ष आदित्य कच्छावाह ने बताया कि नई टीम पार्टी के संगठनात्मक विस्तार,जनसंपर्क और सामाजिक समरसता के कार्यों को गति देगी। आगामी चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी पदाधिकारी मिलकर काम करेंगे। जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि पीपाड़ शहर भाजपा नगर मंडल एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और यहाँ के कार्यकर्ताओं की मेहनत से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। इस नियुक्ति के साथ ही भाजपा ने जोधपुर देहात दक्षिण जिले में अपनी संगठनात्मक तैयारियों को और मजबूत करने का संकेत दिया है।

सबसे बड़ा धर्म लोक कल्याण-अग्रवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। व्यक्ति को उस काम से संकोच करना चाहिए जिससे दूसरों का अहित हो। परमार्थ का काम तो हमेशा आगे बढ़कर करना चाहिए। उसी व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है, जो भय और पाप का निडरता के साथ सामना करता है। यह बात नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगजन के लिए आयोजित ' अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा कि औरों के लिए जीना ही सबसे बड़ा धर्म है। प्रभु को वही व्यक्ति प्रिय होता है जो लोक कल्याण में दत्त चित्त रहता है। धर्म और अधर्म के बीच जगत में पल -पल सावधान होकर चलना है। उन्होंने संयुक्त परिवार पर जोर देते हुए कहा कि परिवार से बड़ी और महत्वपूर्ण संस्था कोई नहीं है। भगवान श्रीराम ने भी जीवन में परिवार को सदैव महत्व दिया।

भले इसके लिए उन्हें वन गमन करना पड़ा, किंतु उसमें भी इन्हें समाज का ही मंगल दिखाई दिया। उन्होंने माता-पिता को आदर्श माना। भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा था कि यदि परिवार में कोई सदस्य अहितकारी हो तो उसे उसका दण्ड देने अथवा उससे पृथक हो जाने में भी कोई बुराई नहीं है। परिवार में प्रेम महत्वपूर्ण है, अपने से वरिष्ठ को आगे रखो, उसे सम्मान दो। फिर आप उनसे जैसी अपेक्षा चाहते हैं, वह अवश्य मिलेगी। जीवन में ईश्वर का स्मरण कभी न छोड़े। मुश्किल के वक्त उनका नाम ही आपको उबार देगा। जीवन एक पाठशाला है, जो हमे हर क्षण कुछ न कुछ सीखने का ही मौका देती है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर

किसान संगोष्ठी एवं स्वास्थ शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर द्वारा जिले की मालपुरा तहसील ग्राम-भगवानपुरा में रात्रि चौपाल का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 301 किसानों में से 280 पुरूष एवं 81 महिला किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री, पीएचईडी एवं जलदाय विभाग कन्हैया लाल चौधरी, संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर कृषि विज्ञान केंद्र वनस्थली के प्रमुख डॉ. बंशीधर जाट, वीरेंद्र सोलंकी संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) टोंक, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) मालपुरा महेश कुमावत मोजूद रहे और अपनी विभागीय जानकारी दी साथ ही के संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया। फसल उत्पादन एवं खेत तैयारी, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरक प्रबंधन, प्राकृतिक और जैविक खेती, पशुपालन एवं पशु स्वास्थ्य, सरकारी योजनाएँ एवं बीमा, जल संरक्षण और सिंचाई तकनीक, बाजार, एमएसपी व कृषि विपणन कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कई अहम समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं ऊसर भूमि एवं खारे पानी की समस्या, चने की फसल में (विल्ट) उगाले की समस्या, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल की खरीद में देरी, प्रमाणित उर्वरकों की सीमित उपलब्धता एवं वितरण में विलंब, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजे की अनुचित कटौती मुआवजा प्राप्ति की समय सीमा तय किए जाने की आवश्यकता किसानों ने सरकार से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

अभियान अंतर्गत डुंगरपुर एवं दौसा जिलों में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर व कृषि विज्ञान केंद्र की टीम ने मिलकर अभियान के तहत जिला दौसा के 3 गाँव- बड़ागांव, बनियाना एवं हिंगोटिया तथा डुंगरपुर जिले के 3 गाँव-भसोर, नावटापरा एवं कोकापुर से कुल 1,141 किसान (महिला एवं पुरुष) सहभागी बने।

घर मंगवाएं जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26
जयपुर, बुधवार 11 जून - 17 जून, 2025 | जागरूक दुनिया 08 | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net

48 पार पहुंचेगा राजस्थान का पारा, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में बीते चार दिन से गर्मी का असर तेज हो रहा है। दिन और रात के तापमान में तीन से चार डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को राज्य में 12 शहरों का दिन का तापमान 44 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। साथ ही, सबसे अधिक दिन का अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री दर्ज किया गया। दिन के साथ रात को भी न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। चार शहरों में रात का 31 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। सबसे अधिक रात का पारा कोटा में 33 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम केन्द्र के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने से हीटवेव, तीव्र हीटवेव व ऊष्णरात्री का दौर जारी रहेगा। आगामी 4-5 दिन तापमान में बढ़ोतरी होगी। कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश 15-16 जून से शुरू होने की संभावना है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ताकत बढ़ाने में जुटी भारतीय सेना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना अपनी ताकत बढ़ाने में जुटी है। इसी कड़ी में भारतीय रक्षा मंत्रालय चीन और पाकिस्तान बार्डर पर तैनाती के लिए क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (QRSAM) की तीन रेजिमेंट को खरीदने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इस डील की अनुमानित कीमत लगभग 30 हजार करोड़ रुपए है। यह एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से स्वदेशी है।

दिन और रात दोनों समय है कारगर

QRSAM दिन और रात दोनों समय विरोधियों द्वारा किए गए हमले को रोकने में सक्षम है। अधिकारियों ने कहा कि इस एयर डिफेंस सिस्टम की सफल टेस्टिंग की जा चुकी है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने बनाया है। उन्होंने कहा कि QRSAM को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है।

क्या है इसकी खासियत

जानकारी अनुसार सिस्टम में मूविंग टारगेट खोजने की क्षमता है। यह विरोधी को ट्रैक कर सकता है। साथ ही, बेहद कम समय के अंतराल में फायर कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इसकी रेंज 30 किलोमीटर है। QRSAM सिस्टम आकाश जैसी मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम को सपोर्ट करने का काम करेगी।

भारत के पास अभी ये एयर डिफेंस सिस्टम है मौजूद

भारत के पास अभी आकाशतीर, S-400 सिस्टम और आयरन ड्रोन जैसे एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद हैं। इन्होंने 7 से 10 मई के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम को अभेद किला बनाकर रखा था।

DRDO 350 KM रेंज की एयर डिफेंस सिस्टम भी कर रहा तैयार

मॉर्डन वार फेयर को देखते हुए DRDO बहुत कम दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम भी तैयार कर रहा है। जिसकी रेंज 6 किलोमीटर है। साथ ही, DRDO प्रोजेक्ट कुशा के तहत 350 किलोमीटर रेंज वाली वायु रक्षा प्रणाली भी तैयार करने में जुटा है।

आज दिखेगा स्ट्रॉबेरी मून

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। 11 जून को आकाश में एक अजब सा खगोलीय नजारा देखने को मिलेगा, जब जून माह की आखिरी पूर्णिमा के दिन रात में स्ट्रॉबेरी मून दिखेगा। बता दें कि इस साल यह एक माइक्रो मून भी होगा, जो पृथ्वी से थोड़ा अधिक दूर होने के कारण सामान्य से थोड़ा छोटा और धुंधला भी दिखाई देगा।

कितने बजे और कहां दिखेगा मून?

टाइम एंड डेट डॉट कॉम के मुताबिक, यह 11 जून को सुबह 03.44 बजे (अमेरिका के समयानुसार) पूर्वी समय पर दिखेगा। वहीं, स्ट्रॉबेरी मून अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में दिखाई देगा। स्थान के मुताबिक, समट अलग-अलग हो सकता है।

क्यों कहा जा रहा स्ट्रॉबेरी मून?

इस चांद को स्ट्रॉबेरी मून उसे कलर के कारण नहीं कहा जा रहा बल्कि इसके पीछे का तर्क है कि नेटिव अमेरिकन ट्राइब्स स्ट्रॉबेरी मून दिखते ही स्ट्रॉबेरी की फसल की कटाई शुरू कर देते थे। जानकारी दे दें कि 20 जून को ग्रीष्म संक्रांति से कुछ दिन पहले होने वाला स्ट्रॉबेरी मून मौसमी कैलेंडर के रूप में काम करता है, जैसे वसंत की अंतिम पूर्णिमा या गर्मियों की पहली पूर्णिमा।

क्यों कहा जा रहा माइक्रो मून?

इस साल स्ट्रॉबेरी मून इसलिए कहा जा रहा क्योंकि यह चंद्रमा की कक्षा में पृथ्वी से सबसे दूर बिंदु पर है। इस कारण यह सामान्य पूर्णिमा की तुलना में थोड़ा छोटा और धुंधला दिखाई देगा।

चाँद पूरा क्यों दिखाई देता है?

पूरा चांद (पूर्णिमा) तब दिखाई देता है जब चंद्रमा पृथ्वी से सूर्य के ठीक विपरीत होता है। इससे चंद्रमा की सतह हमें पूरी तरह से दिखाई देती है। इस दौरान, सूर्य का प्रकाश चंद्रमा से परावर्तित होता है, जिससे यह पूर्ण रूप से दिखाई देता है। वहीं, स्ट्रॉबेरी मून वायुमंडलीय बिखराव के कारण, खासकर क्षितिज के पास पीला या नारंगी दिखाई दे सकता है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर की अनुसूचित जनजाति उपयोजना के द्वारा किसान -वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं खरीफ की फसलो का बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

संस्थान के पशु भेड़-बकरी किसानों के लिए एटीएम बराबर-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर तहसील-मालपुरा, जिला -टोंक की अनुसूचित जनजाति उपयोजना (टीएसपी) के माध्यम से सिकराय तहसील के ग्राम पंचायत घूमना की कड़ी की कोठी चौराहे पर किसान- वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं खरीफ की फसलों के गुणवत्ता बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 9 जून को शाम 6 बजे किया गया। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे "विकसित कृषि संकल्प अभियान" के अंतर्गत इस कार्यक्रम में अविकानगर संस्थान एवं कृषि विज्ञान केंद्र दौसा के वैज्ञानिक एवं कर्मचारीयों ने भी किसानों को उन्नत ओर नवीन कृषि ओर पशुपालन की तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान राजस्थान के टोंक जिले के मालपुरा तहसील में स्थित है जो सन 1962 से राजस्थान राज्य के किसानों के साथ देश के किसानों को भेड़- बकरी एवं खरगोश पालन पर प्रशिक्षण, ऊनत नस्ल के पशुओ का वितरण, उनका वैज्ञानिक प्रबंधन के साथ विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहा है । दिनांक 9 जून के किसान-वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान के निदेशक एवं स्टेट-कोऑर्डिनेटर विकसित कृषि संकल्प अभियान डॉ अरुण कुमार तोमर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम मे शामिल हुई। उनके साथ कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दौसा के प्रभारी डॉ बनवारी लाल जाट एवं उनकी टीम सदस्यों डॉ अक्षय चितोड़ा, डॉ देवेंद्र मीना, अविकानगर के पशु कार्याकी एवं जैव रसायन विभाग के अध्यक्ष डॉ सत्यवीरसिंह डांगी, अविकानगर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं टीएसपी नोडल अधिकारी डॉ अमरसिंह मीना, डॉ चन्दन गुप्ता, पंचायत समिति सिकराय के सरपंच संघ के अध्यक्ष विपिन मीना घूमना के साथ आसपास की पंचायतो के सरपंच भी विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अरुण कुमार तोमर ने उपस्थित किसानों को अपने सम्बोधन से वर्तमान मौसम की चुनौतियां एवं भविष्य की संभावनाओं के लिए कृषि एवं पशुपालन की नवीनतम तकनीकियों को अपनाने के लिए विस्तार से चर्चा की। निदेशक द्वारा रूरल इंडिया को रियल इंडिया बनाने के लिए विकसित कृषि की ओर लोगो को बढ़ने का आहान किया एवं अपने संस्थान के पशु भेड़ एवं बकरी को वर्तमान समय के लिए सबसे उपयुक्त पशु बताते हुए ऐसे पशुओ को किसानों का एटीएम बताया। जिससे किसी भी समय बेचकर पैसा, मांस एवं दुग्ध प्राप्त किया जा सकता है। तथा उपस्थित किसानों को वैज्ञानिक भेड़-बकरी पालन प्रशिक्षण लेकर पशुओं के विभिन्न पालन तकनीकियों को अपने उपलब्ध संसाधनों के अनुसार अपनाने के लिए प्रेरित किया। अविकानगर के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर ने उपस्थित किसानों को बताया कि संस्थान की टीएसपी उपयोजना में जनजाति भेड़पालक किसानों को प्राथमिकता देते हुए हमने आपके क्षेत्र के जनजाति भेड़ पालकों को संस्थान की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया है, और आगे भी हम जनजाति भेड़पालक किसानों को प्राथमिकता के आधार पर संस्थान से जोड़ रहे हैं जो भी जनजाति किसान जो भेड़पालन से जुड़े हुई है वो मेरे संस्थान के अधिकारियों से संपर्क कर इस टीएसपी उपयोजना में लाभान्वित हो सकते हैं। अंत में निदेशक द्वारा उपस्थित किसानों को भारत सरकार की राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना के बारे में भी विस्तार से चर्चा की तथा इसको प्रोत्साहन के रूप में लेते हुए अपने छोटे पशुओं के पालन को उद्यमिता विकास की ओर ले जाने के लिए किसानों को जरूरी सुझाव दिए। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ बनवारी लाल जाट द्वारा भी वर्तमान खेती की समस्या पर किसानो के सवाल का जवाब दिया।

केवीके के वैज्ञानिक टीम द्वारा नकली खाद बीज एवं दवाइयो के बारे में किसानों को जागरुक करते हुए कार्यक्रम के बाद वितरित की जाने वाली विभिन्न बारिश फसलों (मुंग, ज्वार, तिल, ग्वार एवं किचन गार्डन के लिए सब्जियों की किट) की किस्म के बारे अधिक उत्पादन के लिए के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिक ओर प्रगतिशील किसानो द्वारा कृषि एवं पशुपालन योजनाओं के बारे में उपस्थित किसानों को अवगत कराया। अविकानगर संस्थान की टीएसपी उपयोजना के नोडल अधिकारी डॉ अमर सिंह मीना ने बताया कि आज के कार्यक्रम में राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड नई दिल्ली की बारिश के मौसम की विभिन्न फसलो जैसे तिल (किस्म- GT-6 1.5 क्विंटल बीज), मूंग (किस्म MH-1142 15 क्विंटल बीज), ज्वार (किस्म CSV-41 4 क्विंटल बीज), ग्वार (किस्म HG-2-20 10 क्विंटल बीज) एवं बेहतर पोषण के लिए किचन गार्डन सब्जियों किट आदि का भी वितरण पधारे अतिथियों द्वारा किया गया। इस प्रकार कुल 30.5 क्विंटल (800 बीज पैकेट) गुणवत्तायुक्त बीज का प्रथम लाइन प्रदर्शन उपस्थित किसानों के खेत पर लगाएंगे। अविकानगर संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दौसा जिले की विभिन्न तहसील सिकराय, बहरावडा, बैजूपाडा, सिकंदरा आदि के विभिन्न गांवो (घूमना, जयसिंहपुरा, पाटन, बुजेट, गीजगढ़, गढ़ी, बनेपुरा, जयसिंहपुरा, नामनेर, सिकराय, कैलाई, गनीपुर, पिलोड़ी, खेड़ी रामला, निकटपुरी, दंड- खेड़ा, मानपुर, लोटवाड़ा, नांदरी, गिरधारीपुरा, नाहरखोरा, लाखनपुरा, डेंन्डान, बसेड़ी, भावगढ़, गेरोटा, चांदपुर, आगवली, गेरोज, मोहलई, गडोरा आदि गाँव) के 600 से ज्यादा जनजाति किसानों ने कार्यक्रम मे पहुंचकर दी गई जानकारी से लाभान्वित हुई एवं उनको गुणवत्ता बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सरपंच घूमना एवं सिकराय सरपंच संघ के अध्यक्ष श्रीमान विपिन मीना द्वारा भी कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं गांव वासियों को धन्यवाद दिया।

इस तरह के कार्यक्रम किसानों के लिए उपयोगी बताते हुए आयोजित करने का निवेदन निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर से किया गया। आज किसान- वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए अविकानगर संस्थान के वैज्ञानिक डॉ चन्दन गुप्ता, सहायक कर्मचारी छुट्टन लाल मीना, नरेश बिश्नोई, विष्णु भटनागर एवं समस्त घूमना गांववासियों ने अपना पूरा सहयोग किया।

पीपाड़ शहर के नगरीय निकाय उपचुनाव में भाजपा का परचम, वार्ड 30 में भाजपा की जीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर/ जोधपुर। राजस्थान के पंचायत और शहरी निकायों के हालिया उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपने परचम से कांग्रेस के कई गढ़ों को ध्वस्त कर दिया है।

पीपाड़ शहर नगर पालिका के वार्ड नंबर 30 के लिए हुए उप चुनाव के अन्दर भाजपा के रामकिशोर टाक 86 मतों से त्रिकोणीय संघर्ष में विजय हुए इस चुनाव के अन्दर भाजपा के रामकिशोर टाक को 357 मत, कांग्रेस के ताराचंद को 271, निर्दलीय अजय सिंह सैनी को 93 मत मिले । सोमवार को तहसील भवन में हुई मतगणना में रिटर्निंग अधिकारी मृदुल शेखावत ने रामकिशोर टाक को जीत का प्रमाण पत्र दिया। यह सीट लम्बे समय से कांग्रेस के खाते में थी और इससे पहले पार्षद कविता टाक थी उसके इस्तीफे के बाद खाली थी । जीत के बाद रामकिशोर टाक को पार्टी कार्यकर्ताओ और समर्थकों ने आतिशबाजी डीजे और ढ़ोल नगाड़ो के साथ स्वागत कर माला और साफा पहनाकर बधाई प्रेषित कर मुह मीठा करवाकर काफिले से घर छोड़ा।

इन उपचुनावों ने पीपाड़ की राजनीति का तापमान बढ़ा दिया है। कांग्रेस को झटके पर झटका लग रहा है, वहीं बीजेपी मैदान मारने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। ये नतीजे ना केवल 2028 विधानसभा और नगर निकाय चुनाव के ट्रेंड सेट कर सकते हैं, बल्कि कांग्रेस आलाकमान को भी आत्ममंथन के लिए मजबूर करेंगा।

यह रहे मौजूद

धन्यवाद कार्यक्रम के दौरान पुर्व चैयरमेन महेन्द्रसिंह कच्छावाह, प्रभाकर टाक, चिमनाराम टाक, मण्डल अध्यक्ष आदित्य कच्छावाह, रामकिशोर भूतड़ा, युवा मोर्चा के सीपी मारोटिया, सुरेंद्र टाक, नेता प्रतिपक्ष सुनीता कच्छावाह, महिपाल जटिया, मनोहर सोनेल, देवाराम जाँगिड, पार्षद पीयूष शर्मा, भवानीसिंह कच्छावाह, सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

यह जीत राजस्थान सरकार के जनहित कार्यों और विकास योजनाओं पर जनता की मुहर है। यह चुनावी हार उनके नेताओं और कांग्रेस की ज़मीनी सच्चाई उजागर करता है।

त्रिभुवन सिंह भाटी, जिला अध्यक्ष जोधपुर देहात दक्षिण

वार्ड में विकास कार्य लगातार जारी रहेगा और विकास कार्यों के रफ्तार को बिल्कुल कम नहीं होने दिया जाएगा। पानी, सड़क निर्माण, लाईटे, साफ-सफाई हमारी प्राथमिकता रहेगी।

आदित्य कच्छावाह, भाजपा मण्डल अध्यक्ष ,पीपाड़ शहर

वार्ड का सर्वपक्षीय विकास उनकी प्राथमिकता है, इसके लिए वह लगातार काम कर रहे हैं। वार्ड के लोग अपनी किसी भी समस्या को लेकर उनसे मिल सकते हैं, सभी समस्याओं का पहल के आधार पर समाधान करवाया जाएगा।

"**रामकिशोर टाक,** पार्षद वार्ड नंबर 30, नगर पालिका पीपाड़ शहर "

श्याम अर्पण छत्तीसगढ़ भवन खाटू राजस्थान में कल होगा अग्र विभूतियों का अलंकरण समारोह कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का द्वितीय अग्र अलंकरण समारोह कल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के 12 जून बृहस्पतिवार बाबा श्याम की नगरी खाटू धाम द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम में सांसद वृज मोहन अग्रवाल, पूर्व राज्यपाल ओडिसा प्रोफेसर गणेशी लाल मुख्य अतिथि होंगे।

अति विशिष्ट अतिथि भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, अध्यक्ष श्याम मंदिर कमेटी प्रताप सिंह चौहान, कार्यक्रम अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कालीचरण सराफ विधायक, मालवीय नगर, सुरेश मोदी विधायक नीम का थाना, संजय बोथरा DSP खाटू श्याम ,रवि कांत गर्ग पूर्व ऊर्जा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय उद्योग व्यापार मंडल,दिन बंधु गोयल, वरिष्ठ समाज सेवी उद्योगपति विराटनगर, नेपाल गोविंद मुरारी अग्रवाल प्रबंध न्यासी ट्रस्टी श्याम मंदिर, आलमबाजार कोलकाता, महावीर प्रसाद सावाडिया, वरिष्ठ समाज सेवी उद्योगपति कोलकाता, श्याम सुंदर सिंघल वरिष्ठ समाज सेवी उद्योगपति कोलकाता,सुनील रामदास अग्रवाल, चेयरमैन रामदास द्रौपदी देवी फाउंडेशन रायपुर (छत्तीसगढ़) कन्हैया अग्रवाल संस्थापक सत्यमेव जयते फाउंडेशन रायपुर (छत्तीसगढ़) विपिन गुप्ता संपादक नेशनल एक्सप्रेस, दिल्ली, रेखा गुप्ता वरिष्ठ समाज सेवी दिल्ली, कवि नारायण दास अग्रवाल मुंबई, यशपाल गुप्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्ल्ड वैश्य फाउंडेशन दिल्ली, उत्तम प्रकाश अग्रवाल CA राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्रोहा विकास ट्रस्ट, अग्रोहा, डॉक्टर श्रीकिशन मित्तल वरिष्ठ समाज सेवी मैसूर, उद्योगपति नितिन जयप्रकाश अग्रवाल पुणे ,नव रतन अग्रवाल बीकानेर वाला, वरिष्ठ समाज सेवी, उद्योगपति दिल्ली,प्रेम गर्ग लाल महल बासमती चावल,वरिष्ठ समाज सेवी, उद्योगपति दिल्ली, श्याम प्रेमी दीपक गर्ग उद्योगपति हिसार (हरियाणा)सतीश गर्ग वरिष्ठ समाज सेवी दिल्ली,समाज सेवी उद्योगपति प्रमोद कुमार सतनाली वाले सूरत,बजरंग लाल गर्ग समाज सेवी, उद्योगपति दिल्ली,खेम चंद गोयल समाज सेवी, उद्योगपति रोहतक (हरियाणा), कमलेश अग्रवाल ,समाज सेवी उद्योगपति हांसी (हरियाणा) देवांग विनोद CA एवं अन्य गणमान्य सदस्य द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह कार्यक्रम में, देश विदेश की महान सामाजिक एवं राजनैतिक हस्तियां मौजूद रहेंगी। पूरी दुनिया में अग्रवाल समाज की सबसे बड़ी संस्था अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने 12 जून को खाटू धाम राजस्थान के श्याम अर्पण छत्तीसगढ़ भवन में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह को लेकर सारी तैयारिया पूर्ण कर ली है इस कार्यक्रम के लिए संस्था के केंद्रीय मुख्यालय कोलकाता 7पश्चिम बंगाल द्वारा पूरा आयोजन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन केंद्रीय मुख्यालय के तत्वाधान एवं मथुरा, मथुरा महानगर जिला इकाई के आतिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह, दिनांक-12 .13 जून 2025, कार्यक्रम स्थल-श्याम अर्पण छत्तीसगढ़ भवन खाटू श्याम सीकर राजस्थान में आयोजित होगा जिसकी विधिवत कार्यक्रम सूची जारी की मिनट टू मिनट कार्यक्रम सूची जारी कर दी गई।

कार्यक्रम की रूपरेखा

सुबह 10.00 बजे प्रतिभागियों/प्रतिनिधियों का आगमन, सुबह 10.15 बजे स्वल्पाहार,पंयन, सुबह 11.30 बजे अतिथियों का सभागार में आगमन, सुबह 11.45 बजे अतिथियों का परिचय एवं मंच पर आगमन, सुबह 11.55 बजे अग्रकुल प्रवर्तक भगवान अग्रसेन ,कुलदेवी महालक्ष्मी एवं खाटू श्याम की पूजा-अर्चना आरती,सवामणी का प्रसाद, भोग अर्पण, दोपहर 12.05 बजे मंचीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन से शुभारंभ, दोपहर 12.20 बजे आतिथ्य मथुरा एवं मथुरा महानगर जिला मंत्री अनुराग मित्तल द्वारा स्वागत उद्बोधन, दोपहर 12.30 बजे राष्ट्रीय संयोजिका अलंकरण समारोह उमा बंसल, राष्ट्रीय संयोजिका महिला इकाई सुशीला फरमानिया एवं युवा इकाई अध्यक्ष अमर सुल्तानिया का उद्बोधन, दोपहर 12.55 बजे अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल का उद्बोधन, दोपहर 1.00 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक मंचस्थ आदरणीय पूर्व राज्यपाल ,सांसद ,पूर्व सांसद एवम अन्य अतिथियों का उद्बोधन, दोपहर 01.20 बजे मुख्य अतिथि का आर्शीवचन उद्बोधन, दोपहर 1.50 बजे से 37 अग्रकुल की विभूतियों का अलंकरण समारोह(प्रायोजक परिवारों एवं चयनित विभूतियों की उपस्थिति में) माननीय मुख्य अतिथि महोदय एवं मंचस्थ अन्य अतिथियों के कर कमलो द्वारा , शाम 4.30 बजे संघ सेवा आयोग (यूपीएससी) में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अग्रवाल समाज के विद्यार्थियों का अग्र गौरव से सम्मान , शाम 5.00 बजे अग्रवाल समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज बंधुओ का सम्मान,शाम 5.00 बजे से 6.00 बजे तक कवि नारायण दास अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम, शाम 6.10 बजे आभार प्रदर्शन, राष्ट्रगान, कार्यक्रम का समापन, शाम 6.30 बजे से हाई टी, रात्रि 7:00 बजे से वृंदावन की सुप्रसिद्ध भजन संध्या कार्यक्रम, रात्रि 9.30 बजे से रात्रि भोजन एवं विश्राम किया जाएगा। वहीं दूसरे दिन 13 जून को सुबह 8.00 बजे से नाश्ता, सुबह 09.30 बजे से संस्थागत विचार विमर्श, 12.30 बजे से लंच एवं तत्पश्चात अपने-अपने गंतव्य स्थानों को भव्य कार्यक्रम की मधुर यादों को लेकर प्रस्थान, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन (पंयन) कोलकाता, अंतर्राष्ट्रीय द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह आयोजन समिति एवं मथुरा एवं मथुरा महानगर जिला इकाई के आतिथ्य के सम्मानित सदस्यगण ने कहा कि संस्था सेवा भाव मान सम्मान AAS की पहचान है एवं गौरवशाली क्षण होगा यह अग्र अलंकरण, जो कि बाबा श्याम की नगरी खाटू धाम की पावन धरा पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा आयोजित किया जा रहा है,इस कार्यक्रम में जहां विश्व के कोने कोने से अग्र कुल की महान हस्तियां,जिन्होंने अलग अलग क्षेत्रों में अपने श्रेष्ठ कार्यों द्वारा समाज को गौरावित किया है उन महान विभूतियों के सम्मान के हम सभी साबनेंगे।आप इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी गरिमामई उपस्थिति से हम सभी का उत्साहवर्धन करे आप सादर आमंत्रित हैं।

सीएम भजनलाल की चिंता के बाद विभाग ने बनाई नीति

मकान से ऊंची नहीं बनेगी सड़कें, 'मिल एंड फिल' नीति होगी लागू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के शहरों में ऊंची सड़क और नीचे मकान की समस्या दूर होगी। सड़क की मौजूदा परत हटाए बिना डामर या कंक्रीट की नई परत बिछाने पर रोक (कुछ श्रेणियों को छोड़कर) लगा दी गई है। नगरीय विकास विभाग ने सड़कों के नवीनीकरण के लिए 'मिल एंड फिल' नीति लागू करने के निर्देश दे दिए हैं। अब नई डामर या कंक्रीट की परत बिछाने से पहले पुरानी परत को हटाना अनिवार्य होगा। इससे मकान और सड़क का लेवल हमेशा एक जैसा बना रहेगा। जो सड़क उखाड़ी जाएगी, उसके मैटेरियल को सड़क निर्माण में रि-यूज किया जाएगा। फिलहाल इसके दायरे में 45 प्रतिशत सड़कें आएंगी। विकास प्राधिकरण, नगरीय विकास न्यास, आवासन मण्डल अब इसी आधार पर काम करेंगे। अनुबंधित कंपनियों को भी अपने प्लांट को इसी तर्ज पर अपग्रेड करना होगा।

मुख्यमंत्री की चिंता के बाद चेते

सीएम भजनलाल शर्मा ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर कहा था कि डामर की परत दर परत चढाने से भवनों का लेवल नीचे हो रहा है। लोग परेशान है और प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है।

इन पर होगा काम

- ऐसी सडक जो ज्यादा उपयोग में नहीं आ रही, वहां की डामर की परत को उखाड़ा जाएगा।
- जिन सड़कों का नवीनीकरण करना है, वहां पहले पुरानी लेयर हटेगी।

चार तरीके से रि-यूज..

- सर्विस रोड के बेस निर्माण में
- मुख्य सड़क के बेस निर्माण में
- सर्विस रोड की ऊपरी परत में
- मुख्य सड़क की ऊपरी परत में

सभी का फायदा

जनता: मकान के प्लिंथ लेवल के ऊपर तक सड़क का लेवल होता जा रहा है। मकान, दुकानों के अंदर बारिश का पानी भरता है। भवनों के प्रवेश द्वार पर दीवार बनानी पड़ती है। इससे इन प्रॉपर्टी कीमत कम हो गई। लेवल हमेशा एक जैसा रहेगा तो इन समस्या से निजात मिलेगी।

प्राधिकरण, यूआइटी: उखाड़े गए मैटेरियल को दोबारा उपयोगी बना सकेंगे। नए के साथ पुराना मैटेरियल मिलेगा तो लागत भी कम आएगी।

सरकार: जनता और संगठनों में के प्रति विश्वास सिरकार के पति से स्वास बढ़ेगसंगठन सरकारों को ज्ञापन देते रहे हैं।

एनएचएआइ: एनएचएआइ पहले ही इसी नीति पर काम कर रहा है। उनके अनुसार, पुनर्नवीनीकरण डामर की गुणवत्ता 100 प्रतिशत नए डामर जितनी ही होती है। इसके लिए कोल्ड मिलिंग और हॉट रिसाइकलिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

जोधपुर एलिवेटेड रोड के लिए केन्द्र ने 1243 करोड़ रूपए किए स्वीकृत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का जोधपुर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 1243 करोड़ 19 लाख रुपए स्वीकृत करने के लिए आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि 'उत्कृष्ट सड़क कनेक्टिविटी, विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में जोधपुर की 7.633 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं परिवहन सेवाओं के विस्तार के लिए केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर महामंदिर जंक्शन से शुरू होकर जोधपुर शहर में अखोलिया चौराहा के पास समाप्त होगा। यह कॉरिडोर यात्रियों को 8 प्रमुख और 20 छोटे जंक्शनों से ऊपर जाने में सक्षम बनाएगा और भीड़भाड़ मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेगा जिससे यात्रा का समय भी बचेगा। यातायात की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए इस एलिवेटेड रोड में दोनों तरफ कन्टिन्युअस स्लिप/सर्विस रोड और 13 प्रवेश/निकास रैंप होंगे।

"खुशियों की सौगात" अभियान के तहत बिरला व्हाइट और सुरभी महिला मंडल ने किये वस्त्र वितरण

कपड़े पाकर जरुरतमंदों के खिले चेहरे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। समाज सेवा की भावना को साकार करते हुए बिरला व्हाइट (अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड) और सुरभी महिला मंडल ने मिलकर पब्लिक मॉन्टेसरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, पीपाड़ में एक प्रेरणास्पद 'खुशियों की सौगात' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन न केवल जरूरतमंदों के लिए राहत का माध्यम बना, बल्कि सामुदायिक सहयोग, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का भी सशक्त संदेश लेकर आया।

कार्यक्रम की गरिमामयी शुरुआत सुरभी महिला मंडल की अध्यक्ष कल्पना निगम एवं कार्यकारिणी सदस्याएं स्मिता पोदार, कंचन तिवारी, शोभा नायर और मंजू कुरे के स्वागत से हुई। इस पुनीत अवसर पर 250 से अधिक जरूरतमंद बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों को वस्त्र प्रदान कर उन्हें सम्मान और आत्मविश्वास की अनुभूति कराई गई। कपड़े वितरण की इस पहल ने सैकड़ों चेहरों पर मुस्कान ला दी। कार्यक्रम की मुख्या अतिथि कल्पना निगम ने कहा कि जरुरतमंदों की सेवा करने वालों पर ईश्वर की कृपा हमेशा बनी रहती है सेवा भाव रखने से मन शुद्ध रहता है और आत्मा भी पवित्र रहती हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिरला व्हाइट टीम सदस्यों के - एस. चंदा, रामकुमार शेखावत, चंचल चौधरी, गौरव दीक्षित, मेहराम गहलोत और प्रशिक्षु मनीषा ने उत्कृष्ट समन्वय और समर्पण का परिचय दिया। वहीं विद्यालय के सीईओ डॉ. राम सैनी और योगाचार्य भगवान राम परिहार का आयोजन की व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने में विशेष योगदान रहा। यह कार्यक्रम इस बात का प्रतीक है कि "बदलाव की शुरुआत सहयोग से होती है"। समाज सेवा, करुणा और सतत विकास के मूल्यों को आत्मसात करता यह आयोजन आने वाले समय में भी प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।